राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार 04 मार्च 2024 वर्ष–7, अंक–41 पृष्ठ–08 मूल्य–01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने भाजपा को दिया 2 हजार रुपये का चंदा

–डोनेशन फॉर नेशन बिल्डिंग मुहिम के तहत चंदा देने लोगों से की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा को 2 हजार रुपये का चंदा दिया है। उन्होंने यह चंदा डोनेशन फॉर नेशन बिल्डिंग मुहिम के तहत दिया और लोगों से पार्टी को ज्यादा से ज्यादा चंदा देने की अपील की है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले डोनेशन फॉर नेशन बिल्डिंग मुहिम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी फॉर इंडिया को दान दिया और डोनेशन की पर्ची को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर लिखा, कि मुझे भाजपा को योगदान देने और विकसित भारत के निर्माण के प्रयासों को मजबूत करने में प्रसन्नता हो रही है। मैं सभी से नमोएप के जरिये राष्ट्र निर्माण के लिए डोनेशन का हिस्सा बनने का भी आग्रह करता हूं। यही नहीं उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में डोनेशन के लिए एक डायरेक्ट लिंक भी शेयर किया है, जिसके जरिए सीधे बीजेपी को चंदा दिया जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा के ब्लू सफायर मॉल में छत्त से गिरी ग्रिल, दो की मौके पर मौत

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के ब्लू सफायर मॉल में छत से ग्रिल गिरने से दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। यह ग्रिल मॉल की पांचवीं मंजिल से गिरी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ब्लू सफायर मॉल की पांचवीं मंजिल से लोहे की ग्रिल गिर गई। दोनों मृतक एस्केलेटर की ओर जा रहे थे, तभी बाड़ लगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ग्रिल अचानक गिर गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल हादसे की जांच चल रही है। मृतकों की पहचान हरेंद्र भाटी और शकील के रूप में हुई है। जिनकी उम्र लगभग 35 वर्ष थी और दोनों गाजियाबाद के रहने वाले थे। इस घटना से मॉल जाने वालों में दहशत फैल गई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राजनाथ सिंह सोमवार को करेंगे डिफकनेक्ट 2024 का उद्घाटन

नई दिल्ली,। उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशी नवाचार और साझीदारी को बढ़ावा देने के वास्ते सोमवार को यहां डिफकनेक्ट 2024 का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस–डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन (आईडीईएक्स–डीआईओ) मानेकशॉ सेंटर में डिफकनेक्ट 2024 का आयोजन कर रहा है। डिफकनेक्ट 2024 देश के रक्षा नवाचार परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो सशस्त्र बलों, रक्षा उद्योग के प्रमुख उद्यमियों, स्टार्ट–अप, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं सहित सभी महत्वपूर्ण हितधारकों को एक साथ लाता है। इस आयोजन का उद्देश्य सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देना, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना और रक्षा क्षेत्र में सहयोग, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक परिवर्तनकारी मंच बनने के लिए होना है। यह आयोजन रक्षा क्षेत्र में भारत के अग्रणी उद्योगों से बड़ी संख्या में नवप्रवर्तकों और निवेशकों को आकर्षित करेगा।

आसनसोल से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार पवन सिंह ने अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली, । भोजपुरी गायक एवं अभिनेता पवन सिंह ने पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के तौर पर रविवार को अपना नाम वापस ले लिया। पार्टी ने एक दिन पहले ही सिंह को इस सीट से उम्मीदवार घोषित किया था। वर्तमान में आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा सांसद हैं। सिंह ने उन्हें उम्मीदवार घोषित करने के लिए भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद दिया और कहा कि वह 'किसी कारणवश' आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। उन्होंने

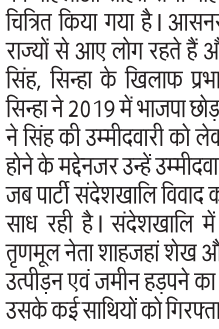

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का दिल से आभार प्रकट करता हूं। पार्टी ने मुझ पर विश्वास करके मुझे आसनसोल का उम्मीदवार घोषित किया लेकिन किसी कारणवश में आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगाज।' सिंह ने अपने इस फैसले का कारण नहीं बताया, लेकिन उन्हें उम्मीदवार घोषित किए जाने की तृणमूल कांग्रेस ने आलोचना की थी। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि सिंह के कई गाने असभ्य हैं और उनमें राज्य की महिलाओं सहित सभी महिलाओं को अश्लील तरीके से चित्रित किया गया है। आसनसोल में बड़ी संख्या में अन्य राज्यों से आए लोग रहते हैं और भाजपा को उम्मीद थी कि सिंह, सिन्हा के खिलाफ प्रभावी उम्मीदवार साबित होंगे। सिन्हा ने 2019 में भाजपा छोड़ दी थी। स्पष्ट रूप से, भाजपा ने सिंह की उम्मीदवारी को लेकर ऐसे समय में विवाद खड़ा होने के मद्देनजर उन्हें उम्मीदवारी छोड़ने के लिए राजी किया जब पार्टी संदेशखालि विवाद को लेकर तृणमूल पर निशाना साध रही है। संदेशखालि में कई महिलाओं ने निलंबित तृणमूल नेता शाहजहां शेख और उनके सहयोगियों पर यौन उत्पीड़न एवं जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। शेख और उसके कई साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठकः पीएम की अध्यक्षता में हुआ विकसित भारत के रोडमैप पर मंथन, दिए अहम निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। इस दौरान बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इसे प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल की मंत्रिपरिषद के साथ अंतिम बैठक माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक बैठक में %विकसित भारत 2047% के लिए विजन डॉक्यूमेंट और अगले पांच वर्षों के लिए विस्तृत कार्य योजना पर मंथन किया गया।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में मई 2024 में नई सरकार के गठन के बाद योजनाओं पर तत्काल कदम उठाने के लिए सौ दिवसीय एजेंडे पर भी चर्चा की गई। विकसित भारत के रोडमैप को तैयार करने में दो साल से ज्यादा का समय लगा। इसमें सभी मंत्रालयों और राज्य सरकारों, शिक्षाविदों, उद्योग निकायों, नागरिक समाजा और वैज्ञानिक संगठनों के साथ व्यापक चर्चा और युवाओं के विचारों व सुझावों को शामिल किया गया। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर 2700 से ज्या दा बैठकें, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए गए। 20 लाख से ज्यादा युवाओं से सुझाव मिले। 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्यों में आर्थिक विकास, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), जीवन में आसानी, व्यापार करने में आसानी, बुनियादी ढांचा, सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

आम आदमी चाहता है कि उसके बच्चों को अच्छी तालीम मिले, शिक्षा से गरीबी दूर हो सकती है: अरविंद केजरीवाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि एक आम आदमी चाहता है कि उसके बच्चों को अच्छी तालीम मिले और शिक्षा से देश की गरीबी दूर हो सकती है। केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ लुधियाना के इंद्रापुरी में 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही।

लुधियाना के स्कूल के बारे में केजरीवाल ने कहा, जब हम स्कूल में प्रवेश करते हैं, तो विश्वास ही नहीं होता कि यह सरकारी स्कूल है। जिस तरह की कक्षाएं, प्रयोगशालाएं और अन्य सुविधाएं हैं, मैं चुनौती के साथ कह सकता हूं कि अगर किसी ने निजी क्षेत्र में ऐसा स्कूल बनाया होता, तो कम से कम 10,000 रुपये प्रति माह फीस तय की होती।÷ उन्होंने कहा कि अब मजदूरों, गरीबों, किसानों, बिजली मिस्त्रियों, प्लंबरों और अन्य लोगों के बच्चों को 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' में आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

केजरीवाल ने कहा, मैं नियमित रूप से पंजाब का दौरा करता रहता हूं। दो मुख्यमंत्री (मान और केजरीवाल) पंजाब का दौरा कर रहे हैं और सरकारी स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। क्या पहले किसी मुख्यमंत्री ने इस बात की परवाह की थी कि सरकारी स्कूल ठीक से चल रहे हैं या नहीं। अब, दो मुख्यमंत्री अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों का दौरा करके देख रहे हैं कि चीजें कैसे काम कर रही हैं।'

केजरीवाल ने कहा कि एक आम आदमी यही चाहता है कि उसके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले और वे अपने पैरों पर खड़े हों। उन्होंने कहा, केवल एक चीज है, जिससे हम अपने देश की गरीबी दूर कर सकते हैं और वह है शिक्षा। अगर हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं, तो वे अच्छे व योग्य नागरिक बन सकते हैं और देश को प्रगति के पथ पर ले जा सकते हैं।

इस अवसर पर मान ने कहा, 'आम आदमी पार्टी विकास की राजनीति करती है, न कि नफरत या जाति की राजनीति। हम अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल बनाने, मुफ्त बिजली देने और बुनियादी ढांचे के निर्माण की बात करते हैं। स्कूल के बारे में बात करते हुए मान ने कहा, 'काश हमारे समय में ऐसी सुविधाएं होतीं। ' उन्होंने कहा, कई अभिभावकों ने मुझे बताया कि निजी स्कूलों में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, जबकि दाखिला लेने के बाद कुछ नहीं मिलता।

पटना में राजद की 'जन विश्वास रैली' में राहुल गांधी, अखिलेश, लालू प्रसाद और येचुरी शामिल हुए

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता सीताराम येचुरी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव रविवार को पटना में आयोजित 'जन विश्वास रैली' में शामिल हुए।

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित इस रैली को लोकसभा चुनाव से पहले इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इस रैली का आयोजन राष्ट्रीय जनता दल ने किया है। इस रैली में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के अलावा उनके पुत्र तेजस्वी यादव और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी राजा सहित कई अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। रैली स्थल पर 'महागठबंधन' (जिसमें कांग्रेस, राजद और वामपंथी दल शामिल हैं) के समर्थकों की भारी भीड़ दिखी। राजद की इस 'जन विश्वास रैली' को बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की राज्यव्यापी 'जन विश्वास यात्रा' के समापन पर आयोजित किया गया है। रोजगार सृजन के प्रति प्रतिबद्धता जताने वाले तेजस्वी यादव के समर्थन में रैली के दौरान 'नौकरी मतलब तेजस्वी' जैसे नारे गूंज रहे हैं।

केंद्र सरकार समाज के वंचित वर्गों की 73 प्रतिशत आबादी की उपेक्षा कर रही है : राहुल गांधी

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार समाज के वंचित वर्गों की 73 प्रतिशत आबादी की उपेक्षा कर रही है। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की 'जनविश्वास' रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि देश में किसानों, युवाओं और वंचितों के साथ अन्याय हो रहा है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की 'अग्निवीर' योजना को देश के युवाओं के खिलाफ बताते हुए कहा कि इसके तहत नौकरी पाने वालों की शहादत पर उन्हें अन्य शहीदों की तर्ज पर सरकारी सहायता नहीं मिल पाएगी। उन्होंने कहा, 'देश में जब भी कोई (राजनीतिक) बदलाव आता है तो उसकी आंधी बिहार से शुरू होती है और यह तूफान देश के अन्य हिस्सों में भी फैल गया है। बिहार देश का राजनीतिक केंद्र है।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि आज देश में विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है और एक तरफ नफरत, हिंसा, अहंकार है, तो दूसरी तरफ लोगों में प्यार, भाईचारा और एक–दूसरे के प्रति सम्मान है। राहुल गांधी ने कहा कि एक पार्टी नफरत पैदा करने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान सजा रहे हैं।'

पांच राज्यों के तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगे प्रधानमंत्री, हजारों करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 04 से 06 मार्च तक पांच राज्यों तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे। इस दौरान अदिलाबाद, हैदराबाद, संगारेड्डी, कलपक्कम, चंडीखोल, कोलकत्ता और बेतिया में आयोजित कार्यक्रमों में हजारों करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री तेलंगाना के आदिलाबाद में 56 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। आदिलाबाद में शुरू की जा रही कई परियोजनाओं के माध्यम से बिजली क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। वे तेलंगाना के संगारेड्डी में 68 सौ करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। संगारेड्डी में शुरू की गई परियोजनाओं में सड़क, रेल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे कई प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। हैदराबाद में प्रधानमंत्री नागरिक उड्डयन अनुसंधान संगठन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री तमिलनाडु के कलपक्कम में भारत के स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की कोर लोडिंग की शुरुआत देखेंगे। यह भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। ओडिशा में प्रधानमंत्री चंडीखोल में 19.6 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वे कोलकाता में 15.4 हजार करोड़ रुपये की कई कनेक्टिविटी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। बेतिया में प्रधानमंत्री करीब 8.7 हजार करोड़ रुपये के विभिन्न बुनियादी ढांचे का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मुजफ्फरपुर–मोतिहारी एलपीजी पाइपलाइन का उद्घाटन करेंगे और मोतिहारी में इंडियन ऑयल के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और स्टोरेज टर्मिनल को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान ड्यूटी में कोताही बरतने पर डीसी वरुण रंजन हटाए गए

– मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने की कार्यवाही

– माधवी मिश्रा धनबाद की नई उपायुक्त नियुक्त

धनबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को धनबाद कार्यक्रम के दौरान ड्यूटी में कोताही बरतने के मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने कार्रवाई करते हुए डीसी वरुण रंजन को पद से हटा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड दौरे के दौरान 35,747 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात दी थी।

बताया जा रहा है कि वरुण रंजन की गलती के कारण धनबाद में मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन और मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीऑफ नहीं कर पाए थे। सीऑफ के लिए जाने के क्रम में एक वाहन खराब हो गया था, जबकि दूसरा वाहन डीसी समय पर उपलब्ध नहीं करा पाए, जिसके बाद चम्पई सरकार ने डीसी वरुण रंजन को पद से हटते हुए झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम, रांची का प्रबंध निदेशक बनाया है। उनके स्थान पर डीसी के पद पर 2015 बैच की आइएएस अधिकारी माधवी मिश्रा को धनबाद का नया उपायुक्त बनाया गया हैं।

–वरुण रंजन की कार्यशैली विवादों में

वरुण रंजन अपने कार्यकाल में कोई छाप नहीं छोड़ सके। उनकी कार्यशैली भी हमेशा से विवादों में रही है। अफसरों की शिकायत थी कि वह घंटों मीटिंग करते है जिससे अफसरों को काम करने का समय नहीं मिल पाता था।

छह मार्च को दिल्ली कूच करेंगे किसान, 10 को देशभर में रेल रोको आंदोलन, सामने आई नई रणनीति

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा जिले के गांव बल्लों में युवा किसान शुभकरण सिंह का भोग समागम रविवार को हुआ। इसमें देशभर से अलग–अलग किसान संगठनों के नेता पहुंचे। किसानों ने शुभकरण सिंह को श्रद्धांजलि दी। किसान संगठनों ने बड़ा एलान किया। छह मार्च को पंजाब और हरियाणा को छोड़कर देश के बाकी राज्यों के किसान दिल्ली कूच करेंगे। वहीं 10 मार्च को पूरे देश में चार घंटे किसान 'रेल रोको' आंदोलन करेंगे। 14 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत होगी। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि दिल्ली जाने का कार्यक्रम पहले की तरह है। दिल्ली जाने का कार्यक्रम न पीछे किया और न करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को कैसे घुटनों के बल लाना है, इसके लिए कुछ रणनीति तय की हैं। डल्लेवाल के मुताबिक शंभू और खनौरी बॉर्डर में किसानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा बाकी बॉर्डरों को किसान बंद करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार कह रही है कि किसान ट्रैक्टरों को छोड़कर दिल्ली आ सकते हैं। अब यह रणनीति तय की गई है कि छह मार्च को देशभर के किसान ट्रेन, बस और पैदल शांतिपूर्ण ढंग से दिल्ली कूच करेंगे। अब देखना होगा कि सरकार इन किसानों को बैठने देती है या फिर बातें करती है। 10 मार्च को दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक पूरे देश में ट्रेन रोको आंदोलन किया जाएगा। 21 फरवरी को खनौरी बॉर्डर पर पुलिस और किसानों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान गोली लगने से बठिंडा के युवा किसान शुभकरण सिंह की मौत हो गई थी। इस मामले में पंजाब पुलिस ने पटियाला के पातड़ां में अज्ञात लोगों के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज कर चुकी है। वहीं सरकार ने परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद और सरकारी नौकरी देने का एलान भी कर चुकी है। शुभकरण की मौत का मुद्दा पंजाब विधानसभा में विपक्ष ने उठाया था।

अमेरिकी 'सीहॉक्स' एमएच-60आर छह मार्च को भारतीय नौसेना के बेड़े में होगा शामिल

–नौसेना की आंख, कान बनकर यह हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का करेगा सफाया

–बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टर से भारत–प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता मजबूत होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना 06 मार्च को कोच्चि के आईएनएस गरुड़ में शामिल किए गए अमेरिकी एमएच-60आर सीहॉक बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टर को अपने बेड़े में औपचारिक रूप से शामिल करेगी। इस सीहॉक्स स्क्वाड्रन को आईएनएएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर का एक समुद्री संस्करण है, जिसे समुद्र में 'उड़ता फ्रिगेट' कहा जाता है। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी।

भारतीय नौसेना अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीद रही है, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुई थी। सौदे के तहत अब तक छह एमएच-60आर सीहॉक भारत आ चुके हैं। पहली खेप की आपूर्ति के दौरान भारतीय नौसेना के 18 कर्मियों की एक टीम अमेरिका में हेलीकॉप्टरों के उड़ान का प्रशिक्षण लेने के लिए गई थी। इन हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल एयर क्रू और तकनीकी चालक दल के पहले भारतीय बैच को अमेरिका के पेंसाकोला, फ्लोरिडा और सैन डिएगो में प्रशिक्षण देने के लिए किया गया।

अमेरिकी नौसेना के साथ हुए अनुबंध के तहत सभी 24 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति 2025 तक पूरी हो जाएगी। अत्याधुनिक मिशन सक्षम प्लेटफार्मों को शामिल करने से भारतीय नौसेना की विभिन्न एएसडब्ल्यू क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा। मल्टी रोल एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर मिलने से भारत को सतह-विरोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों को अंजाम देने की क्षमता मिलेगी। साथ ही भारतीय नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं में वृद्धि होगी। भारत अपनी बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग क्षेत्रीय खतरों से निपटने और अपनी मातृभूमि की रक्षा को मजबूत करने के लिए करेगा।

इस सीहॉक्स स्क्वाड्रन को आईएनएएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा, जो भारत की रक्षा आधुनिकीकरण यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। बहुउद्देशीय अमेरिकी समुद्री हेलीकॉप्टर एमएच-60आर को पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी युद्ध, खोज और बचाव, चिकित्सा निकासी के लिए डिज़ाइन किया गया है।

एमएच 60आर हेलीकॉप्टर भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ावा देने के साथ नौसेना की परिचालन पहुंच का विस्तार करेगा और विशाल समुद्री डोमेन में निरंतर नौसैनिक संचालन का समर्थन करेगा। आईओआर में सीहॉक की तैनाती भारतीय नौसेना की समुद्री उपस्थिति को मजबूत करेगी। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करेगी। उन्नत हथियार, सेंसर और एवियोनिक्स सूट से लैस सीहॉक भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से बनाया गया है, जो पारंपरिक और असममित दोनों खतरों के लिए उन्नत क्षमताएं प्रदान करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कानून रसूखदारों के लिये सिर्फ खिलौना है!

आशीष वशिष्ठ

देशवासी भूले नहीं होंगे जब एक रसूखदार दामाद ने मैंगो पीपल कहकर आम आदमी का जिस तरह मजाक उड़ाया था, बॉलीवुड के एक गायक ने फुटपाथ पर सोने वाले बेघर लोगों को कुत्ते कहकर उसी अहंकार का परिचय दिया था। किसी नेता या रसूखदार को जब जांच एजेंसी पकड़ती है तो वो विजय मुद्रा बनाकर हवा में हाथ लहराता है। मानो उसने कोई महान काम किया है। गिरफ्तारी के समय या जांच के लिए जाते वक्त नेताओं और रसूखदारों के हाव भाव ऐसे होते है मानो वो एहसान करने जा रहे हैं। और उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया, उनको तो राजनीति के चलते फंसाया गया है। जांच एजेंसी के आफिस के बाहर नेता के समर्थकों का धरना, प्रदर्शन अप्रत्यक्ष तौर पर जांच एजेंसी को डराने, धमकाने और प्रेशर डालने का कृत्य है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि प्रभावशाली लोग कानून को खिलौना समझ कर खेलते हैं। और व्यवस्था भी उनके इस काम में खूब मददगार साबित होती है। बरसों बरस से देश में ऐसा ही चलता आ रहा है। सख्त से सख्त कानून बनाने और तमाम दूसरे उपायों के बाद भी रसूखदार कानून का आए दिन मजाक उड़ाने से बाज नहीं आते हैं। कानून को बौन साबित करने वाली इस जमात को राजनीतिक संरक्षण हासिल होता है। ऐसे में धनबल और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त ये लोग व्यवस्था की कमियों और छिद्रों के चलते नियम कानूनों को आसानी से गच्चा देते हैं।

आम आदमी की मामूली-सी गलती पर उसे पकड़ने में भरपूर तेजी दिखाने वाली पुलिस को प्रभावशाली और रसूखदार लोगों तक पहुंचने में वक्त लग ही जाता है। पश्चिम बंगाल में इसकी अवधि कुछ ज्यादा ही लंबी हो जाती है। संदेशखाली मामले से चौतरफा निंदा का पात्र बना तृणमूल कांग्रेस का नेता शाहजहां शेख 55 दिनों से फरार रहने के बाद पुलिस की गिरफ्त में आया है! लेकिन तब, जब कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता सरकार को फटकार लगाई। यदि फटकार नहीं लगी होती तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रूआब से थाने और अदालत में दाखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडवत और सहमी सी दिखी। उसे सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्चाई तृणमूल कांग्रेस के इस कथन से छिपने वाली नहीं कि हमने उसे निलंबित कर दिया। यह राजधर्म नहीं, बेशर्मी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के आदेश की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख की मदद कर सकती है तो यह स्वाभाविक है। बड़ी निर्लज्जता से तृणमूल कांग्रेस की सरकार अपने नेता का बचाव करती रही। संदेशखाली की महिलाओं ने जिन शब्दों में अपनी पीड़ा का बयान किया है, उससे किसी पत्थर दिल व्यक्ति का भी दिल पिघल सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री का दिल नहीं पसीजा। भारतीय जनता पार्टी के विरोध और हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बाद शाहजहां को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल से प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी दिल्ली शराब घोटाले में पूछताछ के लिए अब तक आठ समन भेज चुका है। जांच एजेंसी के सामने पेश होने की बजाय केजरीवाल ईडी के समन को ही गैर कानूनी बता रहे हैं। वो कानूनी दांव पेंच से जांच से बच रहे हैं। और दिल्ली विधानसभा में खड़े होकर केंद्र की मोदी सरकार से लेकर अपने राजनीतिक विरोधियों पर जमकर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। चूंकि विधानसभा में दिए बयान पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती। इसी के चलते केजरीवाल ने विधानसभा को अपनी भड़ास निकालने और राजनीतिक विरोधियों पर मनगंढ़त आरोप लगाने का मंच बना रखा है। देश की जनता उनका तमाशा देख रही है।

जिस शराब घोटाले में उनसे पूछताछ होनी है, उसी घोटाले में उनके सबसे खास साथी मनीष सिसोदिया और संजय सिंह तिहाड़ की रोटियां तोड़ रहे हैं। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किस तरह कानून और संविधान का उपहास उड़ा रहा है, उससे समाज में गलत उदाहण तो पेश हो ही रहा है। वहीं आम आदमी के मन में यह सवाल भी उठता है कि क्यों कानून रसूखदारों सामने कमजोर और असहाय दिखाई देता है? केजरीवाल की तरह तेंलगाना के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी ईडी के समन की अवमानना करते रहे, और खुद को बचाने के सारे यत्न उन्होने किये। बड़ी जदोजहद के बाद ईडी ने उन्हें अपने शिकंजे में लिया। फिलवक्त सोरेन जेल का भोजन पा रहे हैं।

पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने हत्या और बलात्कार के मामले में जेल में सजा काट रहे राम रहीम को बार-बार पैरोल दिये जाने पर सवाल उठाया। हाईकोर्ट ने कहा कि क्यों केवल राम रहीम को बार-बार पैरोल मिल रही है? बाकी कैदियों को क्यों नहीं लाभ दिया जाता? रेप के दोषी राम रहीम को इस साल जनवरी में 50 दिन की पैरोल दी गई थी। यह लगभग 10 महीने में उसकी 7वीं और पिछले चार वर्षों में 9वीं पैरोल थी। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को आदेश दिया है कि अब अदालत की अनुमति के बिना राम रहीम को पैरोल नहीं दी जाएगी। सत्ता, व्यवस्था, कानून के रक्षक और संरक्षक के गठजोड़ से ही राम रहीम जैसे रसूखदार कानून को फुटबाल बनाकर खेलते हैं।

जब तक सत्ता के गलियारों से आपराधिक लोगों को संरक्षण मिलता रहेगा, तब तक ये निर्लज्जता बनी रहेगी। हरेक घटना में किसी न किसी रसूखदार का, किसी न किसी सत्ताधारी का संरक्षण दिखता रहा है। हर बार सत्ता की तरफ से कठोर से कठोर कार्यवाही किये जाने की बात कही जाती है, कुछ दोषियों की गिरफ्तारी भी हो जाती है, जांच करवाए जाने की लीपापोती कर दी जाती है और उसके बाद सब कुछ भूल-भुला लिया जाता है। संदेशखाली जैसी घटनाएं कुछ दिन चर्चा में रहती हैं फिर जनमानस की खोपड़ी से गायब हो जाते हैं. निठारी कांड कितनों को याद है? बिहार मुजफ्फरपुर शेल्टर होम रेप केस कितनों को याद है? कितनों को उसके दोषी की सजा याद है? कुछ दिन बाद ऐसा ही संदेशखाली में को भी लेकर होगा।

प्रभावशाली किस मामले में फंस भी जाते हैं तो उनके चेहरे, बाडी लैग्वेंज, चेहरे से टपकते घमंड और अहंकार को देखकर ऐसा नहीं लगता कि उनको कानून का रत्ती भर भी भय है। पुलिस प्रशासन को तो वो अपना चाकर समझते हैं। कहीं न कहीं व्यवस्था भी उनकी चाकरी करती दिखाई देती है। न्याय व्यवस्था भी ऐसी है कि प्रभावषाली लोगों को जमानत देने में देर नहीं करती। आधी रात को भी उनके मामले सुन लिए जाते हैं। हालांकि देश की अदालतों में करोड़ों मुकदमे लंबित हैं। और आम व्यक्ति को न्याय पाने के लिए वर्षों प्रतीक्षा करनी पड़ती है। भ्रष्टाचार व अन्य गंभीर मामलों में दर्जनों रसूखदार आसानी से जमानत पाकर आराम की जिंदगी बिता रहे हैं। चारा घोटाले में सजा पाए लालू प्रसाद यादव स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते जमानत पर हैं। राजनीति में उनकी सक्रियता बताती है कि अब वो स्वस्थ हैं। और अगर वो स्वस्थ हैं तो वो जमानत पर क्यों हैं? अगर रसूखदारों को जेल जाना भी पड़ा तो वहां भी उनके मनमुताबिक ऐशो आराम जारी रहता है। ऐसे सैकड़ों उदाहरण है। दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन के जेल की कोठरी में कथित तौर पर मालिश कराने का वीडियो देश ने देखा है। यूपी के चर्चित नेता और माफिया मुख्तार अंसारी की पंजाब की जेल में कांग्रेस की सरकार ने जो मेहमाननवाजी की उसे कौन भूल पाएगा।

देशवासी भूले नहीं होंगे जब एक रसूखदार दामाद ने मैंगो पीपल कहकर आम आदमी का जिस तरह मजाक उड़ाया था, बॉलीवुड के एक गायक ने फुटपाथ पर सोने वाले बेघर लोगों को कुत्ते कहकर उसी अहंकार का परिचय दिया था। किसी नेता या रसूखदार को जब जांच एजेंसी पकड़ती है तो वो विजय मुद्रा बनाकर हवा में हाथ लहराता है। मानो उसने कोई महान काम किया है। गिरफ्तारी के समय या जांच के लिए जाते वक्त नेताओं और रसूखदारों के हाव भाव ऐसे होते है मानो वो एहसान करने जा रहे हैं। और उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया, उनको तो राजनीति के चलते फंसाया गया है। जांच एजेंसी के आफिस के बाहर नेता के समर्थकों का धरना, प्रदर्शन अप्रत्यक्ष तौर पर जांच एजेंसी को डराने, धमकाने और प्रेशर डालने का कृत्य है। वहीं किसी रसूखदार को सजा मिलने पर जिस तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आती हैं, वे स्तब्ध करने वाली होती हैं। उनमें अपने विशिष्ट होने का अहंकार और न्यायालय की अवमानना के साथ-साथ संवेदनहीनता की पराकाष्ठा भी सुनाई पड़ती है। खुद को कानून से ऊपर समझने वाले किसी रसूखदार ने अगर कोई गैर कानूनी काम किया है तो देर सबेर कानून उनके किए की सजा देगा ही, लेकिन उस उच्चवर्गीय अहंकार पर अंकुश लगाने की भी जरूरत है, जो अपने गलत कामों को सही सिद्ध करने के हठ में अमानवीय हो जाता है।

संपादकीय

रोक मतलब रोक

एक राष्ट्र-एक चुनाव योजना की प्रेरक सोच पर गंभीर सवाल हैं। ऐसी ही सोच के तहत दल-बदल विरोधी कानून बनाया गया था। उससे दल-बदल तो नहीं रुका, इससे सांसदों-विधायकों की स्वतंत्र चेतना पर जरूर ताला लग गया। खबरों के मुताबिक एक राष्ट्र-एक चुनाव योजना पर 22वां विधि आयोग अपनी सिफारिशें जल्द ही केंद्र सरकार को सौंप देगा। इस बीच आयोग ने अपनी सिफारिशों की प्रस्तुति पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में बनी उच्चस्तरीय समिति के सामने की है। इसमें दो संविधान संशोधनों की सिफारिश की गई है। कोविंद समिति नरेंद्र मोदी सरकार की इस इच्छा पर सुझाव देने के लिए बनाई गई है कि लोकसभा, सभी राज्यों की विधानसभाओं, और पूरे देश में नगर-निकायों के चुनाव एक साथ संपन्न कराए जाएं। इस बीच विधि आयोग ने जो सुझाव रखे हैं, उसके मुताबिक सभी विधानसभाओं के चुनाव दो किस्तों में इस तरह संपन्न कराए जाएंगे, जिससे 2029 में लोकसभा के साथ-साथ उन सबका चुनाव कराया जा सके। एक दूसरा संशोधन इस योजना को टिकाऊ बनाने के लिए दिया गया है। इसके तहत अगर सदन की मध्यावधि में कोई सरकार गिर जाती है, तो विकल्प के तौर पर विभिन्न दलों की एकता सरकार बनाई जाएगी। अगर यह संभव नहीं हुआ, तो फिर नया चुनाव बची अवधि भर तक के लिए कराया जाएगा, ताकि एक राष्ट्र-एक चुनाव का क्रम बना रहे। इस योजना में यह समझ अंतर्निहित है कि सभी दलों की नीतियां कमोबेश एक जैसी हैं और सारी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा व्यक्तियों की महत्त्वाकांक्षाओं के बीच है। इसलिए यूनिटी गवर्नमेंट सहजता से बन जाएगी। बहरहाल, उससे कहीं ज्यादा गंभीर सवाल इस योजना की प्रेरक सोच पर है। स्पष्टतः यह सोच कृत्रिम राजनीतिक स्थिरता थोपने की है। ठीक ऐसी ही सोच के तहत 1985 में दल-बदल विरोधी कानून बनाया गया था। इस कानून से दल-बदल तो नहीं रुका, इससे सांसदों-विधायकों के स्वतंत्र राजनीतिक रुख तय करने की प्रवृत्ति पर जरूर ताला लग गया। अब जो सुझाव विधि आयोग ने दिए हैं, उनसे राजनीतिक प्रक्रिया और सरकारों को जवाबदेह बनाए रखने की विधायिका की भूमिका पर वैसा ही अंकुश लग सकता है। आज भारतीय लोकतंत्र की मूलभूत समस्या सत्तासीन लोगों और संस्थाओं की जवाबदेही तय करने की व्यवस्था का कमजोर पड़ते जाना है। अब जो सुझाव दिए गए हैं, उनसे खर्च तो शायद ही बचे, लेकिन जवाबदेही का सिस्टम जरूर और कमजोर हो जाएगा।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदार्थ के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है।

बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे में घाटे का सौदा करने को मजबूर है कांग्रेस

कभी देश में एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस क्षेत्रीय दलों से लोकसभा चुनाव की सीटों को लेकर घाटे का सौदा करने को मजबूर हो गई है। कांग्रेस की यह हालत पिछले लोकसभा चुनाव में और हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त खाने के बाद हुई है। कमजोर होती कांग्रेस से रिक्त हुआ राजनीतिक स्थान क्षेत्रीय दल ले रहे हैं। कांग्रेस की स्थिति यह हो गई है कि यदि राजनीति में टिकना है तो क्षेत्रीय दलों के सामने झुकना है। कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों से गठबंधन करके करीब 70 सीटों की कुबार्नी दे चुकी है। इन सीटों पर पिछली बार कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 421 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से कांग्रेस मात्र 52 सीटें जीतने में कामयाब हो सकी। जिस तरह कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर रही है, उससे आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े दल के तौर पर उभर कर आने पर ब्रेक लग सकता है। ऐसी हालत में केंद्र में यदि गैरभाजपा गठबंधन बहुमत में आता भी है तो कांग्रेस के लिए कप्तान की भूमिका निभा पाना मुश्किल होगा।

हालांकि विगत विधानसभा चुनाव को यदि लोकसभा चुनाव की भविष्यवाणी मानें तो विपक्षी दलों की केंद्र में सरकार बनाने के संभावना क्षीण है। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच दिल्ली के अलावा हरियाणा, गुजरात, गोवा और चंडीगढ़ में भी गठबंधन हुआ है। आम आदमी पार्टी 46 में से सात सीटों पर चुनाव लड़ रही है। गोवा और चंडीगढ़ के लिए भी अरविंद केजरीवाल ने अपने उम्मीदवार को चुनाव लड़ाने की तैयारी की थी, लेकिन गठबंधन के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। गोवा में एक सीट पर उम्मीदवार का ऐलान करने के बाद आम आदमी पार्टी ने दोनों सीटें कांग्रेस को दी हैं। दिल्ली में भी पहले आम आदमी पार्टी ने छह सीट पर चुनाव लड़ने की बात कही थी, लेकिन बाद में चार सीटों पर ही समझौता कर लिया। दिल्ली में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी से 3 सीटों पर चुनाव लड़ने की सहमति पर समझौता करना पड़ा। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी सात में से चार सीटों- पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली पर चुनाव लड़ेगी। शेष तीन- उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिम दिल्ली और चांदनी चौक संसदीय सीट से कांग्रेस चुनाव लड़ेगी।

2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने दिल्ली की सभी सात सीटों पर जीत दर्ज की थी। लगातार दो बार लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के प्रत्याशी एक भी सीट पर जीत दर्ज करने में कामयाब नहीं हुए। गुजरात में 26 में से दो सीटें अनुसूचित जाति और चार सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। आम आदमी पार्टी दो और कांग्रेस 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस की कमजोर राजनीतिक हालत का फायदा उठाने से गठबंधन का कोई भी दल नहीं चूक रहा है। हर दल जितना हो सके कांग्रेस की बांह मरोड़ने में जुटा हुआ है। समाजवादी पार्टी के तीखे तेवर दिखाने के बाद कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा घाटा हुआ है। कांग्रेस अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी से डील कर चुकी है। पार्टी उत्तर प्रदेश में 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जो लोकसभा में सबसे ज्यादा सांसद भेजता है। महाराष्ट्र में कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच आठ सीटों पर अभी तक फैसला नहीं हो सका है, जिसके बीच गतिरोध बना हुआ है। पश्चिम बंगाल भी कांग्रेस के लिए चुनौती बना हुआ है। तृणमूल सभी 42 सीटों पर चुनाव लड? की घोषणा कर चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि कांग्रेस को अपने प्रभाव क्षेत्र वाले राज्यों से चुनाव लड?ा चाहिए। क्षेत्रीय दलों वाले राज्यों में कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं है। ममता के इन तेवरों से जाहिर है कि अलबत्ता तो पश्चिमी बंगाल में तृणमूल से कोई सीट शेयरिंग नहीं होगी। यदि होती भी है तो कांग्रेस दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सकेगी। तृणमूल कांग्रेस को दो से अधिक सीटें देने के लिए तैयार नहीं है, जो पूर्वी राज्य में कम से कम पांच सीटें मांग रही है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अपना रुख रख दिया है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। समाजवादी पार्टी और आप के साथ अपनी सफलताओं के बाद तृणमूल कांग्रेस के साथ हैट्रिक बनाने की कोशिश कर रही है। संभावित सौदे को मधुर बनाने के लिए, कांग्रेस कथित तौर पर असम में तृणमूल को दो और मेघालय में एक सीट देने को तैयार थी। इंडिया ब्लॉक, जिसे पिछले साल भाजपा से मुकाबला करने के लिए स्थापित किया गया था, पहले ही दो प्रमुख सदस्यों को खो चुका है। नीतीश कुमार की जनता दल-यूनाइटेड और जयंत चौधरी की राष्ट्र लोक दल ने बीजेपी के साथ गठबंधन कर लिया है। ऐसे में कांग्रेस के पास बिहार में सिर्फ लालू यादव की पार्टी आरजेडी से समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। यदि कांग्रेस राष्ट्रीय जनता दल से कांग्रेस समझौता करती है तो भाजपा दुगनी गति से कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर प्रहार करने का मौका मिल जाएगा। विगत चुनावों भाजपा से शिकस्त खाने के बाद कमजोर हुई कांग्रेस की हालत को बिखरते इंडिया गठबंधन ने तगड़े झटके दिए हैं। जिस तरह से कांग्रेस की हालत हो गई है, उस हिसाब से सीटों के समझौतों में गठबंधन कम मजबूरी अधिक झलक रही है। यह निश्चित है कि केंद्र और राज्यों से सत्ता से धकेली जा रही कांग्रेस नीतियां स्पष्ट नहीं करेगी तब तक न सिर्फ भाजपा बल्कि इंडिया गठबंधन के दल उसे हाशिए पर धकेलने के लिए मजबूर करते रहेंगे। - योगेंद्र योगी

भारत में तृतीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर ने चौंकाया है

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर ने भारत सहित विश्व के समस्त आर्थिक विश्लेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान, भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई है जबकि प्रथम तिमाही के दौरान वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत एवं द्वितीय तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की रही थी। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही थी। साथ ही, क्रेडिट रेटिंग संस्थान इकरा ने इस वर्ष तृतीय तिमाही में 6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान एवं भारतीय स्टेट बैंक ने भी 6.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जताया था। कुल मिलाकर, लगभग समस्त वित्तीय संस्थानों के अनुमानों को झुठलाते हुए सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत की रही है।

हम सभी के लिए हर्ष का विषय तो यह है कि विनिर्माण इकाईयों की वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही में 11.6 प्रतिशत हो गई है तथा निर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत की रही है। साथ ही, खनन के क्षेत्र में वृद्धि दर 1.4 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत की रही है। यह तीनों ही क्षेत्र रोजगार सृजन के क्षेत्र माने जाते हैं। अतः देश में अब रोजगार के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों में वृद्धि दर आकर्षक रही है। कृषि का क्षेत्र जरूर, विपरीत मानसून एवं अल नीनो के प्रभाव के चलते, विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है एवं कृषि के क्षेत्र में वृद्धि दर 0.2 प्रतिशत ऋणात्मक रही है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2019-20 से लेकर 2022-23 तक कृषि के क्षेत्र में औसत वृद्धि दर 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष से अधिक की रही है। परंतु, प्रकृति के आगे तो किसी की चलती नहीं है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के तृतीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद के विशेष रूप से उद्योग क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर के आंकड़ों को देखकर तो अब यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले वर्षों में 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की विकास दर हासिल करने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है एवं अगले लगभग 4 साल के अंदर ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, वर्तमान में भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। साथ ही, भारतीय शेयर बाजार भी बाजार पूंजीकरण के मामले में वर्तमान में विश्व में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। क्योंकि, भारत में आर्थिक विकास की तीव्र गति को देखते हुए विदेशी निवेशक एवं विदेशी निवेश संस्थान, दोनों ही भारतीय पूंजी बाजार में अपने निवेश को निश्चित ही बढ़ाएंगे।

भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही में अनुमानों से कहीं अधिक वृद्धि दर हासिल करने के पीछे दरअसल हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र के साथ साथ सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तन भी मुख्य भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं, इस ओर सामान्यतः विदेशी अर्थशास्त्रियों एवं वित्तीय संस्थानों का ध्यान शायद नहीं जा रहा है। हाल ही के समय में भारत में अब विभिन्न त्यौहार अत्यधिक उत्साह के साथ मनाए जा रहे हैं। इन त्यौहारों के मौसम एवं शादियों के मौसम में भारतीय परिवारों, विशेष रूप से मध्यम वर्गीय एवं उच्च वर्गीय परिवारों के खर्च में अपार वृद्धि हो रही है। इस खर्च का पूरा पैसा भारतीय अर्थव्यवस्था में आ रहा है, जिससे आर्थिक वृद्धि दर में तेजी दिखाई देने लगी है। वर्ष 2023 में दीपावली त्यौहार के दौरान लगभग 4 लाख करोड़ रुपए की राशि भारतीय परिवारों द्वारा खर्च की गई थी। शादियों के दौरान भारतीय परिवारों द्वारा अतिरिक्त खर्च किया जाना भी केवल भारत की ही विशेषता है, अन्य देशों में शादियों के दौरान इस प्रकार के खर्च नहीं होते हैं। दूसरे, भारत में हाल ही के समय में धार्मिक पर्यटन में अपार वृद्धि देखने में आई है, क्योंकि इन क्षेत्रों की आधारभूत संरचना में आमूल चूल सुधार हुआ है। पर्यटन के बढ़ने से न केवल रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी अपार बल मिल रहा है। अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन, हरिद्वार, वृंदावन आदि धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की अपार वृद्धि दिखाई दे रही है। अयोध्या में तो प्रभु श्रीराम के मंदिर के शिलान्यास के बाद से लगातार औसतन प्रतिदिन 2 लाख से अधिक पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं। इससे न केवल स्थानीय बल्कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिल रहा है।

हालांकि केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सुधारों के चलते एवं पूंजीगत खर्च में लगातार की जा रही बढ़ौतरी से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में केंद्र सरकार द्वारा 10 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस मद पर 7.5 लाख करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई थी। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में पूंजीगत खर्च की राशि को बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। दूसरे, भारत में कर (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष) के संग्रहण में भी अपार सुधार दिखाई दे रहा है। कर ढांचे को आसान बनाकर सम्बंधित नियमों के अनुपालन में सुधार कर, कर संग्रहण में 20 प्रतिशत के आसपास की वृद्धि हासिल की गई है। देश में अनौपचारिक क्षेत्र भी तेजी से औपचारिक क्षेत्र में बदल रहा है, इससे कर संग्रहण के साथ साथ रोजगार के अवसर भी औपचारिक क्षेत्र में अधिक निर्मित हो रहे हैं तथा विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलते दिखाई दे रहे है।

क्रांति समय

सोमवार 04-मार्च-2024

वेपार 3

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरसों और मूंगफली तेल तिलहन के भाव मजबूत रहे

नई दिल्ली । दिल्ली के तेल-तिलहन बाजार में खाद्य तेलों की कम आपूर्ति के बीच शनिवार को सरसों और मूंगफली तेल तिलहन के दाम मजबूत रहे। जबकि विदेशों में डीओसी के निर्यात के कमजोर दाम के कारण सोयाबीन तिलहन कीमतों में गिरावट रही। सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतें पूर्वस्तर पर बंद हुई। शे निवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन- 5,350-5390 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली- 6,075-6,350 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 14,850 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,225-2,500 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,125 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,720-1,820 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,720 -1,825 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी- 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 10,475 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,025 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 8,800 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 8,600 रुपए प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 9,150 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,825 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 8,825 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना- 4,590-4,610 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 4,390-4,430 रुपए प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का)- 4,050 रुपए प्रति क्विंटल।

गूगल ने नियमों के उल्लंघन पर हटाए कई ऐप

नई दिल्ली । गूगल ने हाल ही में प्ले स्टोर से कई भारतीय ऐप को हटा दिया है। गूगल ने अपनी पॉलिसी में बदलाव किए है जिसके चलते कई ऐप पर बैन लगा दिया गया है। जिसके चलते गूगल ने सेवा शुल्क 11 फीसदी से बढ़ा कर 26 फीसदी कर दिया था। इसके बाद गूगल ने सर्विस चार्ज ना देने वाली कंपनियों को हटाने का फैसला लिया था। इससे पहले देश की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने पुराना सिस्टम खत्म करने का आदेश दिया था। बता दें गूगल ने इन एप्स को लेकर पहले ही चेतावनी दे दी थी कि नियमों का उल्लंघन करने और सर्विस चार्ज न देना उनके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। जिसके तहत कई भारतीय जानी-मानी कंपनियों ने बिलिंग नियमों का उल्लंघन किया इसके अलावा कुछ कंपनियों ने बिक्री पर लागू होने वाले सर्विस चार्ज नहीं दिया जिसके चलते गूगल ने ये बड़ा फैसला लिया है।

फोर्ड टाटा के साथ कर सकती है संयुक्त कारोबार

नई दिल्ली । फोर्ड भारत में वापसी की खबरें सामने आ रही हैं। एक रिपोर्ट से ये भी पता चला है कि कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन और हाइब्रिड कार लाने के लिए टाटा मोटर्स के साथ समझौता कर सकती है। टाटा वर्तमान में भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निर्माता है, जिससे फोर्ड को यहां कारोबार शुरू करने में मदद मिल सकती है। वहीं टाटा को अमेरिका में अपनी कारें लॉन्च करने का मौका मिलेगा। कारों की बिक्री में कमी और घाटे के कारण फोर्ड ने 2021 में भारत में अपना कारोबार बंद कर दिया था। कंपनी के पास भारत में साणंद और चेन्नई में 2 प्लांट हैं। साणंद प्लांट टाटा मोटर्स को बेच दिया है, जबकि चेन्नई प्लांट अभी भी फोर्ड के पास है। हालांकि, इस प्लांट को बेचने को लेकर अमेरिकी कंपनी जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ अंतिम दौर में भी पहुंच गई, लेकिन बाद में फोर्ड ने अपना विचार बदल दिया। चेन्नई प्लांट समुद्री मार्गों के निकट होने के कारण आसियान देशों के लिए एक निर्यात केंद्र साबित हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार जानकार लोगों ने खुलासा किया है कि फोर्ड एसयूवी के साथ हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन बेचने के लिए प्लांट को बरकरार रख सकती है।

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में बाजार में 1,539 करोड़ का निवेश किया

- जनवरी में एफपीआई ने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख में एक बड़ा बदलाव देखा गया है। एफपीआई ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों में 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इससे पिछले महीने जनवरी में उन्होंने शेयरों से जमकर निकासी की थी। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों तथा सकारात्मक आर्थिक वृद्धि के बीच एफपीआई एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इसके अलावा एफपीआई ने फरवरी में ऋण या बांड बाजार में 22,419 करोड़ रुपये डाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा` कि मार्च के लिए भी एफपीआई का परिदृश्य सकारात्मक नजर आ रहा है। अर्थव्यवस्था में मजबूती तथा कॉरपोरेट जगत के बेहतर प्रदर्शन की वजह से भारतीय शेयरों के प्रति एफपीआई का आकर्षण कायम रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजार में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। बाजार के जानकारों का कहना है` कि वैश्विक आर्थिक माहौल में सुधार ने एफपीआई को भारत जैसे उच्च वृद्धि वाले बाजारों में निवेश के लिए प्रेरित किया है। घरेलू मोर्चे पर जीडीपी के तीसरी तिमाही के आंकड़े मजबूत रहे हैं, जिससे विदेशी निवेशकों का आकर्षण बढ़ा है। अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल काफी ऊंचा है।` फिर भी एफपीआई ने भारतीय शेयरों में शुद्ध निवेश किया है। एफपीआई पिछले कुछ महीनों से जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत सरकार के बांड को शामिल करने की घोषणा से प्रभावित होकर ऋण बाजार में` निवेश कर रहे हैं। उन्होंने बांड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

ओला ने फरवरी में बेचे 35,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक के लिए फरवरी का महीन अच्छा रहा है। कंपनी ने पिछले महीने में 35,000 इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बिक्री की है, जो अब तक की सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार बिक्री में करीब 100 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। कंपनी की भारतीय बाजार में लगभग 42 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले 3 महीनों में एक लाख से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं। दिसंबर, जनवरी और फरवरी में कंपनी ने हर बार 30,000–30,000 से अधिक की बिक्री की है। दिसंबर 2023 में पहली बार कंपनी ने 30,000 का आंकड़ा पार किया था और अब तक ये लगातार जारी है। आने वाले महीनों में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बिक्री में और बढ़ोतरी देखी जा सकती है। गौरतलब है कि ओला ने पिछले महीने अपनी एस1 सीरीज पोर्टफोलियो की कीमत में 25,000 रुपये की कटौती की है, जिससे बुकिंग में वृद्धि देखने को मिली। अब कंपनी इस ऑफर को बढ़ाते हुए ग्राहकों को 31 मार्च तक छूट देने की घोषणा की है।

कौरा फाइन डायमंड ज्वैलरी आईपीओ 6 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली । आईपीओ में निवेशक करने वालों के` लिए ये साल अभी तक अच्छा रहा है। अब मार्च में भी कई कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इसी में से एक है कौरा फाइन डायमंड ज्वैलरी। कंपनी अपना 5.50 करोड़ रुपये का आईपीओ ला रही है। सब्सक्रिप्शन के लिए यह 6 मार्च को खुलेगा और 11 मार्च को इसमें पैसे लगाने की आखिरी तारीख है। आईपीओ में 10 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। सफलतापूर्वक सब्सक्रिप्शन के बाद शेयरों की लिस्टिंग बीएसई एसएमई पर 14 मार्च को हो सकती है। कंपनी के लिए प्राइस बैंड 55 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। बोली लगाने के लिए मिनिमम लॉट साइज 2000 शेयर है। जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलोजिज लिमिटेड इश्यू के लिए रजिस्ट्रार है। मार्केट मेकर गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग है। ये ज्वेलरी कंपनी साल 2022 में बनी थी। इसके प्रमोटर कमलेश केशवलाल लोधिया हैं। 30 सितंबर 2023 तक कंपनी का रेवेन्यू 6 करोड़ रुपये और शुद्ध मुनाफा 17 लाख रुपये था। कौरा फाइन डायमंड ज्वेलरी सोने और हीरे के आभूषणों के थोक कारोबार में लगी हुई है। कंपनी सोने के आभूषण और हीरे के आभूषण सहित आभूषण उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला की बिक्री करती है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केट कैप 65,302 करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 65,302.5 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक फायदे में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक रहे। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी बैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) की बाजार हैसियत में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 19,881.39 करोड़ रुपये बढ़कर 14,85,912.36 करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक ने सप्ताह के दौरान 15,672.82 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार मूल्यांकन 7,60,481.54 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 12,182.1 करोड़ रुपए बढ़कर 6,89,917.13 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक की 7,178.03 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 10,86,464.53 करोड़ रुपए हो गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,051.63 करोड़ रुपए बढ़कर 5,67,626.01 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारती एयरटेल के मूल्यांकन में 4,525.14 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 6,38,721.77 करोड़ रुपए रहा।

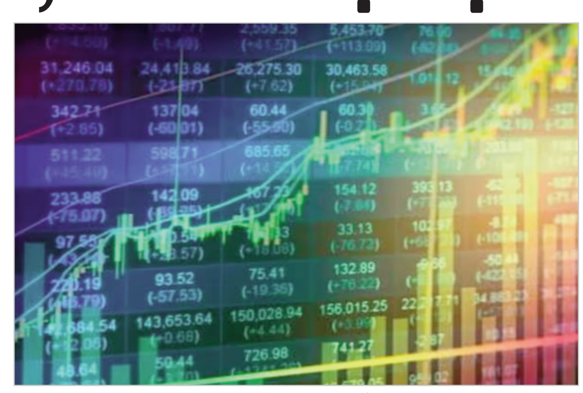

आईटीसी की बाजार हैसियत 811.39 करोड़ रुपए बढ़कर 5,14,451.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के विपरीत एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 19,892.12 करोड़ रुपए घटकर 6,54,763.76 करोड़ रुपए रह गया।

इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 9,048.17 करोड़ रुपए घटकर 6,86,997.15 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,720.44 करोड़ रुपए घटकर 20,16,750.44 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

अगले सप्ताह तीन कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे

अगले सप्ताह तीन कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे

- सामूहिक रूप से 1,325 करोड़ रुपए की राशि जुटने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अगले सप्ताह गोपाल स्नैक्स सहित तीन कंपनियां के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल रहे हैं। इनसे सामूहिक रूप से 1,325 करोड़ रुपये की राशि जुटने की उम्मीद है। सप्ताह के दौरान दो और कंपनियों आरके स्वामी और जेजी केमिकल्स के भी आईपीओ आएंगे। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि मार्च के महीने में बेंगलुरु के लक्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टेनली लाइफस्टाइल्स और क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज का भी निर्गम आने की उम्मीद है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मजबूत वृहद आर्थिक परिस्थितियों तथा हाल में सूचीबद्ध हुए शेयरों से मिले बेहतर रिटर्न की वजह से आईपीओ गतिविधियों में तेजी देखने को मिल रही है। इस साल अब तक 16 कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 13,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वहीं मुक्का प्रोटींस का 224 करोड़ रुपये आईपीओ चार मार्च को बंद होगा। बीते साल 2023 में 58 कंपनियों ने आईपीओ से 52,637 करोड़ रुपये जुटाए थे। राजकोट की कंपनी गोपाल स्नैक्स का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 381 रुपये से 401 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। गोपाल स्नैक्स का आईपीओ छह मार्च को खुलकर 11 मार्च को बंद होगा। एकीकृत विपणन सेवा कंपनी आरके स्वामी का 423.56 करोड़ रुपये का आईपीओ चार मार्च को खुलकर छह मार्च को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 270-288 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ के

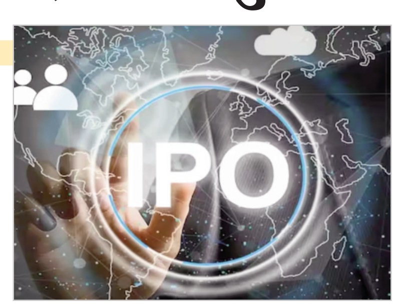

तहत 173 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि इसमें 87 लाख तक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। जिंक ऑक्साइड विनिर्माता जेजी केमिकल्स के आईपीओ में 165 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा इसमें 86.2 करोड़ रुपये की 39 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। कंपनी का आईपीओ पांच मार्च को खुलकर सात मार्च को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 210 से 221 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

भारत-नेपाल में शुरू होगी डिजिटल भुगतान सेवा, नए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली । भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने भारतीय रिजर्व बैंक के नए दिशानिर्देशों की सराहना करते हुए कहा कि नए निर्देशों से भारत–नेपाल के बीच डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विस्तार होगा। अब नेपाल के लोग प्रति डिजिटल लेनदेन के जरिये 2 लाख रुपए भारत से नेपाल भेज सकते हैं। इसके अलावा वॉक–इन ग्राहक प्रति लेनदेन 50,000 रुपए भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल में यूपीआई की सुविधा के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस–नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड का जल्द उदघाटन किया जाएगा। इसके बाद भारत–नेपाल के बीच नकदी ले जाने असुविधा खत्म हो जाएगी। नेपाली खाताधारकों को प्रति लेनदेन 2 लाख रुपए भेजने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा ग्राहक साल में 12 बार व्यक्तिगत रूप से 50,000 रुपए की राशि नेपाल भेज सकते हैं। जून 2023 में, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड (एनसीएचएल) ने भारत के यूपीआई और नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस को एकीकृत करके दोनों देशों के बीच सीमा पार डिजिटल भुगतान की सुविधा शुरू करने का एलान किया था। इसे नेपाल में एनपीआई नाम दिया जाएगा।

इस सप्ताह वैश्विक रुख, वृहद आर्थिक आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- कच्चे तेल के दाम में आ रही तेजी भी कर सकते है बाजार के मूड को प्रभा वित

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक बाजारों के रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह उम्मीद से बेहतर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़ों से बाजार में रिकॉर्ड तेजी आई। इस सप्ताह शेयर बाजार में कम सत्रों में कारोबार होगा। शुक्रवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा` कि प्रमुख घटनाक्रम जैसे पांच मार्च को अमेरिका के सेवा पीएमआई आंकड़े, आठ मार्च को अमेरिका के बेरोजगारी के आंकड़ों पर बाजार की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम में भी तेजी आ रही है जो बाजार के मूड को प्रभो वित कर सकते हैं। हालांकि, अभी बाजार में तेजी की रफ्तार कायम है। घरेलू मोर्चे पर बात की जाए, तो सेवा क्षेत्र के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े मंगलवार को आएंगे। बाजार विश्लेषक कहते हैं कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक और घरेलू आर्थिक आंकड़ों, एफआईआई/डीआईआई के निवेश के रुख, कच्चे तेल के भंडार, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और वैश्विक बाजारों के रुख पर प्रतिक्रिया देगा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 663.35 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 165.7 अंक के लाभ में रहा। शनिवार को सेंसेक्स 60.80 अंक चढ़कर 73,806.15 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 73,994.70 के अपने सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर को छू गया। वहीं निफ्टी 39.65 अंक बढ़कर 22,378.40 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 22,419.55 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था।

प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने प्राथमिक साइट पर प्रमुख व्यवधानों या विफलता से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच को शनिवार को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र का आयोजन किया था।

दो साल और जारी रहेगी ई-कॉमर्स ड्यूटी पर रोक

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की 13 वीं मिनिस्टीरियल कॉन्फ्रेंस में डिस्प्यूट रिजोल्यूशन मैकनिज्म पर कोई सहमति नहीं बन सकी है। लेकिन इस बैठक में ई-कॉमर्स पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी पर जो पाबंदी लगाई थी उसे अगली मिनिस्टीरियल कॉन्फ्रेंस यानी कि 2 साल तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है। अगली कॉन्फ्रेस 2 साल बाद होनी है, जिसमें दोबारा से इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। ऐसा अनुमान है कि अगली बैठक में ये पाबंदी खत्म कर दी जाएगी। बैठक में हुए ये फैसले भारत के रुख से अलग रहे हैं। भारत ने ड्यूटी को खत्म करने पर जोर दिया था। अब इस फैसले के भारत में ऑनलाइन वीडियो गेम्स, ई-बुक्स या फिर ई-फिल्म की बिक्री करने वाली विदेशी कंपनियों पर टैक्स फिलहाल 2 साल के लिए नहीं लगाया जाएगा। बता दें` कि बीते कई सालों से ई-कॉमर्स पर लगातार ड्यूटी बढ़ाई जा रही है। हालांकि इस बार की बैठक के पहले ही भारत समेत कुछ और देशों ने इसका विरोध किया था। वहीं एक पूरी तरह से कार्यरत डिस्प्यूट सेटलमेंट सिस्टम पर कोई समझौता नहीं हो सका है। कॉन्फ्रेंस के ड्रॉफ्ट स्टेटमेंट को देखें तो इसमें कहा गया है कि इस मुद्दे पर विचार जारी है और इसमें पारदर्शी तरीके से तेजी लाई जाएगी। ड्यूटी को लेकर भारत के साथ ही दूसरे डेवलेपिंग देशों का मानना है कि ड्यूटी न लगने की वजह से देश की इनकम में नुकसान हो रहा है। दरअसल अमेरिका और यूरोप में बड़ी संख्या में ऐसी कंपनियां है जो इलेक्ट्रॉनिक फिल्में, ई-बुक जैसे प्रोडक्ट बेचती हैं इनसे मोटी कमाई करती हैं लेकिन इस कमाई पर वो उन देशों में कोई टैक्स नहीं देती जहां वो उत्पादों की बिक्री कर रही हैं।

बॉलीवुड के सिंघम ने पनोरमा स्टूडियोज में किया निवेश

PANORAMA STUDIOS

9 लोगों ने कुल 24.66 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की

नई दिल्ली ।

बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन ने शेयर बाजार में कदम रखा है। उन्होंने पिछले एक साल में 860 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देने वाली कंपनी में 2.74 करोड़ रुपये लगाए हैं। अजय देवगन ने पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशन के लिए शेयरों में 274 रुपये प्रति शेयर पर निवेश किया है। उनके अलावा 8 और लोगों ने प्रेफरेंशियल शेयर अलॉटमेंट के तहत कंपनी में निवेश किया है। इस तरह 9 लोगों ने कुल 24.66 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की है। इस शेयर का 52 हफ्तों का`` हाई 970 रुपये है और अभी यह 949 रुपये पर कारोबार कर रहा है। शेयर का 52 हफ्तों का लो 91 रुपये है। पिछले 6 महीने में ये शेयर 271 फीसदी बढ़ चुका है। वहीं एक साल में इस स्टॉक ने निवेशकों को 861 फीसदी का रिटर्न दिया है। यानी 8 गुना से भी ज्यादा का रिटर्न इसके निवेशकों को एक साल में मिला है। पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल फिल्म प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है। कंपनी के फाउंडर कुमार मंगत पाठक हैं जिन्हें अजय देवगन का अच्छा दोस्त माना जाता है। कंपनी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार वह दोनों 25 साल से एक-दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। ओमकारा, दृश्यम, सेक्शन 375, बाजार, गब्बर इज बैक, आक्रोश, रुस्तम और खुदा हाफिज जैसी फिल्मों का प्रोडक्शन पनोरमा द्वारा किया गया है। कंपनी के राजस्व और मुनाफे में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। जारी वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी को 34 करोड़ रुपये का राजस्व और 2 करोड़ रुपये का मुनाफा मिला है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 197 करोड़ रुपये का राजस्व और 33 करोड़ रुपये का मुनाफा मिला था। कंपनी का मार्केट कैप 1180 करोड़ रुपये है। कंपनी की नेटवर्थ 69 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह शेयर केवल बीएसई पर ही उपलब्ध है। कंपनी की स्थापना 1980 में हुई थी।

सेमसंग की नई अंगूठी बताएगी आपकी सेहत का हाल!

नई दिल्ली ।

सेमसंग गैलेक्सी रिंग जल्द ही लांच होने वाली है जो आपकी सेहत के बारे में जानकारी देगी। यह हेल्थ फीचर्स से लैस अंगूठी है। यह गैलेक्सी रिंग यूजर की हार्ट रेट को ट्रैक करने के साथ-साथ रिस्पाइरेटरी रेट की भी जानकारी देगी।

इस रिंग की मदद से आप अपनी स्लीप को भी मॉनिटर कर सकेंगे, जिससे आपको पता रहेगा कि आपने कैसी नींद ली है। गैलेक्सी रिंग के जरिए आपको अपना विटेलिटी स्कोर भी पता चल सकेगा। इसका मतलब है कि ये रिंग आपका फिजिकल, मेंटल रेडीनेस को देखेगी और प्रोडक्टिविटी को चेक करेगी। इसके लिए आपको सेमसंग हैल्थ एप को डाउनलोड करना रहेगा। कंपनी इस रिंग को साल के अंत तक लॉन्च कर सकती है। हालांकि, अभी इससे जुड़ी कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं मिली है। सेमसंग गैलेक्सी रिंग यूजर्स को 12 साइज और 3 कलर ऑप्शंस में खरीदने को मिलेगी। बड़े साइज की रिंग में कंपनी ने बड़े बैटरी सेल्स का इस्तेमाल किया है। वहीं छोटी साइज की रिंग में बैटरी बैकअप कम रहेगा। आपको यह रिंग यूएस साइज 5-13 नंबर में खरीदने को मिलेगी। इसके अलावा गैलेक्सी रिंग में 5 से 9 दिनों का बैटरी बैकअप मिलेगा। बता दें कि अभी कंपनी ने इसकी कीमत का खुलासा नहीं किया है। इसके लिए आपकों साल की दूसरी छमाही तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड मैच में बल्लेबाज को सिर पर लगी गेंद

होबार्ट । ऑस्ट्रेलिया में जारी शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में बल्लेबाज विल पुकोवस्की को सिर में गंभीर चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। पुकोवस्की को ये चोट तस्मानिया के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मैच में विक्टोरिया की ओर से खेलने के दौरान लगी। तब तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पुकोवस्की ने एक भी रन नहीं बनाया था। रिले मेरडिथ की एक बाउंसर उनके हेलमेट पर लगी। यह दूसरी ही गेंद थी। वह इससे पहले भी कई बार सिर में चोट लगने का शिकार हुए हैं। मेरडिथ की उठती हुई गेंद उनके हेलमेट के बाएं हिस्से में लगी। पुकोवस्की चोट लगने के बाद घुटनों के बल बैठ गए। उन्हें तत्काल ही चिकित्सा मदद मुहैया कराई गई। इसके बाद उन्होंने मैदान छोड़ दिया। उनकी जगह टीम में कैंपबेल कलावे को स्थानापन खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया। वहीं क्रिकेट विक्टोरिया के प्रवक्ता ने कहा, ''पुकोवस्की अभी चिकित्सकों की निगरानी में है। हम सही समय पर उनकी स्थिति की जानकारी देने का प्रयास करेंगे।'' इस साल जनवरी में भी पुकोवस्की के सिर में चोट लगी थी।

संयुक्त अरब अमीरात में फज़ा पैरा-तीरंदाजी विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट में पहली बार रन तीरंदाज़ी का परीक्षण किया

दुबई।

8वें फ़ज़ा पैरा-तीरंदाजी विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट विश्व क्वालीफाइंग टूर्नामेंट फॉर पेरिस 2024 में गंभीर कार्रवाई में उतरने से ठीक पहले, प्रतिभागियों को तीरंदाजी के एक नए अनूठे प्रारूप, रन तीरंदाजी का स्वाद मिला। दुबई में शुक्रवार की रात मौज-मस्ती और उत्साह का माहौल था, क्योंकि दुबई 2024 के पैरालंपिक खेलों के क्वालीफाइंग इवेंट के आयोजकों ने संयुक्त अरब अमीरात में पहली बार तीरंदाजी के अनूठे प्रारूप, रन तीरंदाजी का परीक्षण किया। दुनिया भर से कम से कम 21 निशानेबाजों, कोचों, टीम अधिकारियों और खिलाड़ियों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन मैदान में तीरंदाजी को दौड़ से जोड़ने वाले नए शूटिंग अनुशासन में भाग लिया।

'हम कुछ अलग आज़माना चाहते थे; पैरा तीरंदाजी विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के दौरान सभी को एक अनूठा अनुभव दें। यह तीरंदाजी का एक नया प्रारूप है जो यूरोप में लोकप्रिय है और विश्व तीरंदाजी द्वारा मान्यता प्राप्त है। पैरा तीरंदाजी कोच अल राव ने कहा, हम इस प्रारूप को संयुक्त अरब अमीरात में प्रतियोगिता के रूप में आयोजित करने की उम्मीद कर रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजकों ने राव के हवाले से कहा, परीक्षण कार्यक्रम से पहले राष्ट्रीय तकनीकी अधिकारियों के लिए एक सेमिनार भी आयोजित किया गया था और 'हर कोई बहुत उत्साहित था'।

बायथलॉन के खेल की तरह इस प्रारूप में निशानेबाजी और दौड़ के साथ छूटे हुए तीरों के लिए दंड और समय दंड शामिल था। नियमों में प्रतिभागियों को 400 मीटर की दौड़ में भाग लेना और खड़े होकर छह तीर चलाना शामिल है। किसी भी तीर के छूटने पर प्रत्येक छूटे हुए लैप के लिए पेनल्टी रनिंग लैप लगेगी, फिर दूसरी 400 मीटर की दौड़, उसके बाद घुटने टेककर चार तीर मारने और तीसरी 400 मीटर की दौड़ होगी।

उम्मीद है कि हमें जल्द ही यूएई में रन तीरंदाजी की प्रतियोगिता देखने को मिलेगी। हम सभी इसका इंतजार कर रहे हैं, 'यूएई तीरंदाजी के आदिल अलहम्मादी ने कहा। 8वां फ़ज़ा पैरा-तीरंदाजी विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट विश्व क्वालीफाइंग टूर्नामेंट पेरिस 2024 - दुबई 2024 रविवार को क्वालीफिकेशन के साथ शुरू हो रहा है।

गावस्कर ने विराट सहित अनुभवी खिलाड़ियों पर निशाना साधा

उनके बिना भी जीत सकती है भारतीय टीम

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की जीत से साबित हुआ है कि भारतीय टीम विराट कोहली सहित कई और अनुभवी खिलाड़ियों के बिना भी जीत सकती है। साथ ही कहा कि अगर कोई सोचता है कि उसके बिना टीम सफल नहीं हो सकती तो वह गलत है। गावस्कर के अनुसार युवाओं से भरी इस भारतीय टीम ने अपने को साबित किया है। विराट निजी कारणों से इस सीरीज में नहीं खेली रहे। इसके बाद भी भारतीय टीम ने सीरीज में 3-1 की बढ़त हासिल की है। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से गावस्कर प्रभावित हैं। उन्होंने यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल की जमकर प्रशंसा की। यशस्वी ने इस सीरीज में दो दोहरे शतक लगाये। वहीं रांची टेस्ट में ध्रुव जुरेल और तेज गेंदबाज आकाश दीप ने शानदार खेल दिखाया। आकाश ने पहले ही मैच में तीन विकेट लिए जबकि ध्रुव ने 90 रन बनाये। राजकोट में सरफराज ने अपने डेब्यू मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाये। गावस्कर ने कहा, इसीलिए मैं हमेशा कहता हूं, आपको बड़े नामों की जरूरत नहीं है। वहीं अगर कोई बड़ा नाम सोचता है कि भारत उसके बिना नहीं जीतेगा तो इन दो सीरीज ने दिखाया है कि आप वहां हैं या नहीं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्रिकेट एक टीम गेम है। यह किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं है।

उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया की उस टेस्ट सीरीज को भी याद किया है जहां भारत ने युवा खिलाड़ियों के बल पर ऑस्ट्रेलिया का गाबा का घमंड तोड़ा था और सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था। उस सीरीज में भी पहले मैच के बाद विराट शामिल नहीं थे। गावस्कर ने कहा, भारत को ऑस्ट्रेलिया में कई बड़े नामों की कमी खली थी लेकिन फिर भी वे न केवल गाबा में बल्कि मेलबर्न में भी शानदार जीत हासिल करने में सफल रहे थे।

मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग में आरसीबी को हराया

बेंगलुरू । मुंबई इंडियंस ने यहां जारी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 9वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने जीत के लिए मिले 132 रनों के लक्ष्य को यास्तिका भाटिया 31,हेले मैथ्यूज 26, साइवर-ब्रंट 27 और अमेलिया केर नाबाद 40 की बल्लेबाजी से 15.1 ओवर में हासिल कर लिया। इस मैच में आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एलिसे पेरी की 38 गेंदों में नाबाद 44 रनों की पारी से 20 ओवरों में छह विकेट पर 131 रन बनाये। मुंबई इंडियंस को अपने पिछले मैच में यूपी वारियर्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अब इस जीत से मुंबई इंडियंस चार मैचों में छह अंकों के साथ आगे है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स चार अंकों पर बनी हुई है। इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नहीं होने से नैट साइवर-ब्रंट ने मुम्बई की कप्तान करते हुए तीसरे ओवर में ही आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना को नौ रन पर आउट करके अपनी टीम को पहली सफलता दिलायी। इसके बाद आरसीबी के विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा।

रैना और नेगी की शतकी साझेदारी से वीवीआईपी उत्तर प्रदेश वेटरन प्रीमियर लीग के फाइनल में पहुंची

दूसरे सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स को हराया

नई दिल्ली ।

सुरेश रैना और पवन नेगी की शानदार साझेदारी से वीवीआईपी उत्तर प्रदेश टीम इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के फाइनल में पहुंच गयी है। उत्तर प्रदेश की टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स को 19 रनों से हराया। इस मैच में पवन नेगी और सुरेश रैना के बीच 142 रनों की साझेदारी हुई। अब आईवीपीएल फाइनल में उत्तर प्रदेश का मुकाबला मुंबई चैंपियंस से होगा। इससे पहले एक अन्य सेमीफाइनल में मुंबई ने रेड कार्पेट दिल्ली को हराकर फाइनल में प्रवेश किया . दूसरे सेमीफाइनल में वीवीआईपी उत्तर प्रदेश ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 203 रन बनाये।पवन ने 50 गेंद पर 94 रन बनाये। वहीं कप्तान रैना ने 33 गेंदों पर 58 रनों की पारी खेली। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की टीम ने शुरुआत अच्छी की पर मध्यक्रम में पारी लड़खड़ाने के कारण टीम 2 विकेट पर केवल 184 रन ही बना सकी। पहले खेलने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत भी खराब रही। पहले ओवर में ही टीम ने अपने दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान सुरेश रैना और पवन नेगी ने पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 142 रन बनाये। रैना और नेगी के बाद अंत के ओवरों में परविंदर सिंह ने 16 गेंद पर 33 रन बनाए और उत्तर प्रदेश का स्कोर 200 पार पहुंचाया। इसके बाद जीत के लिए मिले 203 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ वॉरियर्स को नमन ओझा और जतिन सक्सेना ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 96 रन बनाये। इसके आउट होने के बाद विकेट तो कोई नहीं गिरा पर बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना पाये जिससे छत्तीसगढ़ को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में आईवीपीएल के पहले सीजन में अब खिताबी मुकाबला वीवीआईपी उत्तर प्रदेश और मुंबई चैंपियंस के बीच खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गावस्कर ने पहले वाले बयान को लेकर सफाई दी, कोई भी धोनी नहीं बन सकता

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने हाल ही में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की तारीफ करते हुए उसे अगला महेन्द्र सिंह धोनी बताया था। वहीं अब उन्होंने इसी मामले में सफाई दी है। गावस्कर ने कहा कि कोई भी धोनी की तरह नहीं बन सकता। गावस्कर ने जुरेल की तुलना धोनी से रांची टेस्ट के बाद की जब इस युवा खिलाड़ी ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। जुरेल ने पहली पारी में 90 रनों की शानदार पारी खेली, वहीं दूसरी पारी में दबाव में आकर भारत को जीत दिलाई। जुरेल भी गावस्कर की प्रशंसा से उत्साहत हुए थे। उन्होंने मैच के बाद कहा था, गावस्कर जैसे दिग्गज को मेरे बारे में बात करते हुए सुनना एक अच्छा एहसास है। हालांकि पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने गावस्कर के बयान को गलत बताते हुए कहा थ कि कोई दूसरा धोनी नहीं बन सकता। उनका कहना था कि जुरेल अभी युवा हैं। इसलिए उनकी तुलना धोनी से नहीं करें। इसी के बाद गावस्कर ने कहा, जिस तरह से वह खेल के बारे में सोचता है, जिस तरह से वह स्थिति का आकलन करता है और उसके अनुसार बल्लेबाजी करता है, वह मुझे एमएस धोनी जैसा महसूस कराता है। वह बीच-बीच में छक्का मारता था और फिर स्ट्राइक रोटेट करने के लिए एक और दो रन की तलाश करता रहता है। कीपिंग में भी, जिस तरह से उन्होंने उस थ्रो को पकड़कर बेन डकेट को रन आउट किया और फिर जिमी एंडरसन का शानदार कैच लिया जो रिवर्स स्वीप के लिए गए थे। जब उनकी उम्र के थे तो उनके वह भी ऐसी ही जागरुकता दिखाते थे और इसीलिए मैंने कहा था कि जुरेल धोनी की तरह हैं।

आईपीएल का पहला प्रोमो जारी, पंड्या के साथ नजर आये श्रेयस , राहुल और ऋषभ

नई दिल्ली ।

22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 वें सत्र की शुरुआत करीब आती जा रही है। ऐसे में सभी प्रशंसक इसका इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच आईपीएल 2024 लीग का पहला प्रोमो जारी किया गया है। इसमें हार्दिक पंड्या सहित तीन टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर , केएल राहुल और ऋषभ पंत नजर आ रहे हैं पर महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के इसमें नहीं होने से सभी हैरान हैं। । इस बार आईपीएल में कुछ बदलाव भी दिखेंगे। मुंबई इंडियंस की टीम नए कप्तान के साथ खेलने उतरेगी तो कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम के नए मेंटोर गौतम गंभीर के साथ खेलने उतरेगी। वहीं कार हादसे के कारण दिसंबर 2022 से ही खेल से दूर रहे ऋषभ पंत वापसी करते हुए दिखेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग के नए सत्र का प्रोमो जारी कर दिया गया है। इसमें मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ श्रेयस अय्यर कोलकाता, ऋषभ पंत दिल्ली और केएल राहुल लखनऊ एकसाथ दिख रहे हैं

रणजी ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में मप्र ने विदर्भ को 170 रनों पर समेटा

नागपुर ।

मध्य प्रदेश ने यहां रणजी ट्राफी के पहले सेमीफाइनल मैच में विदर्भ को पहली पारी में 170 रनों पर ही आउट कर दिया। मध्य प्रदेश की ओर से आवेश खान ने चार विकेट जबकि कुलवंत खेजरोलिया और वेंकटेश अय्यर ने दो-दो विकेट लिए। इसके बाद मध्य प्रदेश की टीम ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने के समय तक एक विकेट खोर 47 रन बना लिए थे। आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज यश दूबे 11 रन रहे। दिन का खेल खत्म होने तक हिमांशु मंत्री 26 रन और हर्ष गवली 10 रन बनाकर खेल रहे थे। मध्य प्रदेश ने विदर्भ के खिलाफ मुकाबले में स्पिनरों को कुछ ही ओवर दिये। बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने विदर्भ के अंतिम बल्लेबाज उमेश यादव का विकेट लिया। वहीं अन्य स्पिनरों को गेंदबाजी नहीं मिली। विदर्भ की ओर से केवल करूण नायर ही कुछ हद तक मप्र के गेंदबाजों का सामना कर पाये। करुण ने 105 गेंद में नौ चौके लगाकर 63 रन बनाये। तेज गेंदबाज आवेश ने सलामी बल्लेबाज ध्रुव शोरे को 13 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद विदर्भ की टीम ने लगातार विकेट खोये। अर्थव तायडे और अमन मोखाडे के बीच 36 रन की साझेदारी हुई पर इसके बाद कोई अन्य जोड़ी रन नहीं बना पायी। विदर्भ की उम्मीदें करूण के आउट होते ही टूट गयीं। इसके बाद गेंदबाजी में भी विदर्भ के गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये।

ईशान ने इंग्लैंड सीरीज के लिए अपने को उपलब्ध नहीं बताया था

मुम्बई ।

घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा करने के कारण बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध से बाहर किये गये ईशान किशन को लेकर आजकल सबसे ज्यादा चर्चाएं हो रही हैं। इस मामले में कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने उनका समर्थन किया है जबकि कुछ बीसीसीआई के कदम को सही मानते हैं। वहीं अब एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम प्रबंधन ने ईशान से संपर्क किया था। माना गया कि ईशान ने इस दौरान कहा था कि वह थकान के कारण अभी खेल नहीं सकते हैं। इसी कारण बीसीसीआई को ध्रुव जुरेल को बुलाना पड़ा। ध्रुव ने अवसर का लाभ उठाते हुए अच्छा प्रदर्शन कर टीम में जगह बना ली। वहीं, ईशान के मामले में दिग्गज क्रिकेटर भी अब बीसीसीआई का पक्ष लेते नजर आ रहे हैं। पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि बीसीसीआई के इस फैसले के कारण कुछ खिलाड़ियों को परेशानी होगी। कुछ लोगों को तकलीफ होगी, अगर होती है तो होने दो क्योंकि देश से बढ़कर कोई नहीं है। यह बहुत अच्छा फैसला है। मैं बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट का दर्जा बचाने के मद्देनजर जरूरी कदम उठाने के लिए बधाई देता हूं।

चहल को महिला पहलवान ने कंधे पर उठाकर घुमाया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इसमें चहल को एक महिला पहलवान ने कंधे पर उठाया हुआ है। वीडियो में चहल को उठाने वाली महिला पहलवान संगीत फोगाट ने हैं। संगीता ने चहल को अपने कंधों पर उठाया और जोर-जोर से घुमाया। इससे डर के कारण चहल को पसीना आता दिख रहा है। वहीं संगीता तब तक उन्हें फिरकी की तरह घुमाती रहीं जब तक चहल ने रुकने को नहीं कहा। इस वीडियो में दिख रहा है कि चहल इस दौरान काफ घबरा गये थे। गौरतलब है कि चहल सोशल मीडिया पर सक्रिय बने रहते हैं। उनके इसी प्रकार के कई मजेदार वीडियो आते रहते हैं। वहीं खेल की बात करें तो चहल के लिए कुछ भी ठीम नहीं चल रहा है। टीम से बाहर होने के बाद उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला है। चहल अब आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक को अपने करियर का सबसे यादगार क्षण मानते हैं मनप्रीत

नई दिल्ली ।

भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा कि वर्ष 2020 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने के समान था। मनप्रीत के अनुसार करियर में अब तक का सबसे सुखद और यादगार क्षण 41 साल बाद ओलंपिक पदक हासिल करना था। मनप्रीत के अनुसार उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि वह भारतीय हॉकी टीम तक पहुंच पायेंगे। मनप्रीत ने 10 फरवरी को भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में अपना 350 मैच खेला था। मनप्रीत ने अपने करियर के 5 सबसे यादगार क्षणों को याद करते हुए कहा कि टोक्यो में 2020 ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतना उनके लिए सबसे बड़ी बात रही। इस मैच में भारतीय टीम ने जर्मनी को 5-4 से हराया था। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना एक अविश्वसनीय एहसास था। जब से मैंने राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना शुरू किया तब से यही मेरा सपना रहा है। जब हमने आखिरकार 41 वर्षों के बाद हॉकी में ओलंपिक पदक जीता तो मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मनप्रीत का दूसरा सबसे यादगार पल 2014 में कोरिया में आयोजित 17वें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना था। भारत ने शूटआउट में पाकिस्तान को 4-2 से हराकर जीत हासिल की, निर्धारित समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। उनका तीसरा सबसे यादगार क्षण ग्लासगो, स्कॉटलैंड में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2014 में रजत पदक जीतना था। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 0-4 से हार के कारण भारत स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया था।

मनप्रीत ने अपने करियर में अब तक 44 गोल किए हैं, लेकिन वह एशियन गेम्स हांगझू 2022 के फाइनल में जापान के खिलाफ अपने गोल को सबसे बेहतर मानते हैं।

भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर जीत के साथ ही भारतीय टीम नंबर एक पर पहुंच गयी। अब तक न्यूजीलैंड टीम पहले स्थान पर थी पर हार के कारण वह दूसरे नंबर पर फिसल गयी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर है। कंगारुओं के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले न्यूजीलैंड चार मैचों में 36 अंकों और 75 के अंक प्रतिशत के साथ तालिका में नंबर एक पर थी पर पहले ही मैच में 172 रन की बड़ी हर के बाद कीवी टीम नीचे आकर 60 के अंक प्रतिशत के साथ नंबर 2 पर पहुंच गयी। भारतीय टीम अब 8 मैचों में 62 अंकों के साथ नंबर 2 पर थी जो अब 64.58 के मजबूत अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं टेस्ट जीत के साथ 12 महत्वपूर्ण अंक हासिल करके ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर बनी हुई है। उसके अंकों की संख्या 66 से बढ़कर अब 78 हो गई है। वहीं ऑस्ट्रेलिया का अंक प्रतिशत 55 से बढ़कर अब 59.09 हो गया है। यदि ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट जीतता है तो वह दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगी।

नारायण और राम में कोई अंतर नहीं

नारायण और राम दोनों वास्तव में एक ही हैं, मात्र नामों का अंतर है। नारायण संस्कृत का शब्द है। राम का अर्थ क्या है? एक अर्थ है रमंते योगिनः यस्मिन रामः। अर्थात् राम ही मात्र एक ऐसे विषय है जो योगियों के आध्यात्मिक मानसिक आभोग हैं, मानसाध्यात्मिक भोजन है, मानसाध्यात्मिक आनंद और प्रसन्नता के स्रोत हैं।

एक कहानी है कि किसी ने हनुमान से कहा, हनुमान, तुम एक भक्त हो और जानते हो कि मूलतः नारायण और राम में कोई अंतर नहीं है। तब तुम सर्वदा राम का ही नाम लेते हो, कभी नारायण का नाम नहीं लेते हो जबकि दोनों मूलतः एक ही हैं।

राम का दूसरा अर्थ है, राति महीधरः रामः। रति का प्रथम अक्षर र है और महीधर का प्रथम अथर म, राम। रति महीधरः, संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ ज्योतित सत्ता है, जिनसे सभी ज्योतित (प्रकाशित) सत्ताएं ज्योति प्राप्त करती हैं। चन्द्रमा पृथ्वी से ज्योति प्राप्त करती है, पृथ्वी सूर्य से ज्योति प्राप्त करती है और सूर्य परम पुरुष से ज्योति प्राप्त करते हैं। वे ही वह सर्वोच्च सत्ता है जो दूसरों को प्रकाशित करते हैं। वह सर्वोच्च प्रकाशमान सत्ता कौन हैं? परम पुरुष ही सर्वोच्च ज्योतित सत्ता हैं। राति महीधरः का तात्पर्य है, मात्र परम पुरुष, कोई अलग सत्ता नहीं, कोई अन्य सत्ता नहीं। राम का तीसरा अर्थ है, रावणस्य मरणं रामः। रावण शब्द का प्रथम अक्षर है रा और मरणं का प्रथम अक्षर है म। राम-राम अर्थात वह सत्ता जिसके चाप से रावण मर जाता है। अस्तु, रावणस्य मरणं, रावण की मृत्यु कहां होती है, कब होती है? जब कोई राम की शरण में जाता है तो रावण मर जाता है। अतः रावणस्य मरणं राम, जो परम पुरुष, राम, चिति सत्ता की शरण में चला जाता है, वह रावण रूपी राक्षस का नाश कर सकता है। रावणस्य मरणं का तात्पर्य सर्वोच्च चितिसत्ता। अतः राम और नारायण में कोई अंतर नहीं है। तुम्हें अधिकाधिक सचाई के साथ अपनी सम्पूर्ण मानसिक वृत्तियों को समाहृत करते हुए बिंदुभूत रूप में अपने लक्ष्य परम पुरुष की ओर चलना चाहिए। अपितु, सभी मानसिक वृत्तियों को सूई की नोक (सूच्यग्र) के समान एकाग्र करते हुए अपने मैं भाव को मात्र उस एक तत्व की ओर, बिना किसी अन्य रूप, नाम, वर्ण अथवा विषय पर ध्यान दिए तुम्हें परिचालित करना चाहिए। इसीलिए हनुमान कहते हैं, श्रीनाथे जानकी नाथे। श्री शब्द का योगारूढ़ार्थ है, वह सत्ता जो रजोगुणी शक्ति की अधिष्ठान है, जो शक्ति से पूर्ण है।

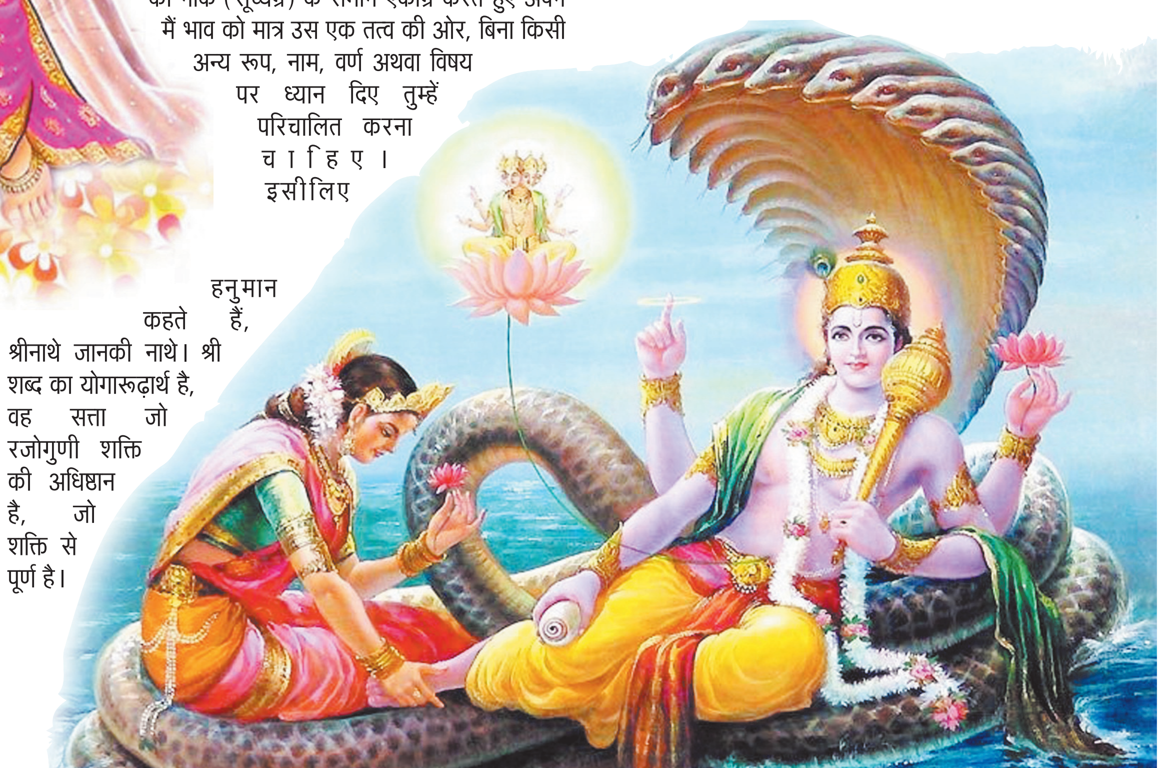

श्रीनाथ, श्री के मालिक नारायण हैं और जानकी अर्थात् सीता के मालिक (पति) हैं राम। सीता में सी का अर्थ है खेतों को जोतना (कल्चर), और उसका विशेषण वाची शब्द है सीता अर्थात् पूर्ण संस्कारित। यह संस्कार आता कहां से है? कौन इस संस्कार (संस्कृति) का मालिक है? इस संस्कार (संस्कृति) का कौन प्रेरणास्रोत अथवा सहायक है? परम पुरुष, श्रीनाथ अथवा जानकीनाथ का तात्पर्य है, उन्हीं परम पुरुष से। इसीलिए श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। हनुमान कहते हैं, मैं इसे जानता हूं कि आध्यात्मिकता, अध्यात्मवाद और आध्यात्मिक साधना विज्ञान की भी दृष्टि से श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। तथापि मम सर्वस्वः रामः कमललोचनः।

अस्तु, मन की सम्पूर्ण वृत्तियों को एक ही तत्त्व की ओर परिचालित करो, एक नाम का उपयोग करो, मात्र अपने इष्ट मंत्र का उपयोग करो और किसी अन्य मंत्र का उपयोग मत करो। हनुमान इसीलिए कहते हैं, मैं मात्र राम का नाम जपता हूं । कभी भी नारायण का नाम नहीं जपता। मैं नहीं जानता कि और नारायण हैं कौन? प्रत्येक साधक को जानना चाहिए कि संपूर्ण विश्व में मात्र एक ही मंत्र है और वह है उसका इष्ट मंत्र। वह कोई और मंत्र जानता ही नहीं है।

जब दैत्यों ने किया समुद्र मंथन के लिए मजबूर

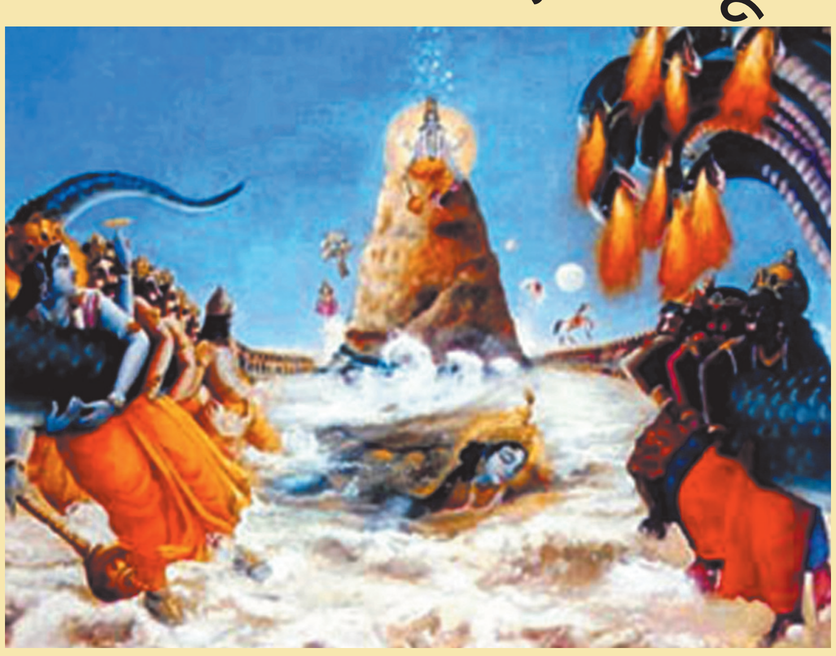

एक दिन ऐरावत पर भ्रमण करते हुए देवराज इन्द्र से मार्ग में महर्षि दुर्वासा मिले। उन्होंने इन्द्र पर प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले की पुष्प माला प्रसाद रूप में प्रदान की। इन्द्र ने उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया और ऐरावत ने उसे अपनी सूंड से नीचे डालकर पैरों से रौंद दिया। अपने प्रसाद का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा ने इन्द्र को श्रीभ्रष्ट होने का शाप दे दिया। महर्षि के शाप से श्रीहीन इन्द्र दैत्यराज बलि से युद्ध में परास्त हो गये। दैत्यराज बलि का तीनों लोकों पर अधिकार हो गया। हारकर देवता ब्रह्मा जी को साथ लेकर भगवान विष्णु की शरण में गये और इस घोर विपत्ति से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने कहा कि आप लोग दैत्यों से संधि कर लें और उनके सहयोग से मंदराचल को मथानी तथा वासुकी नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र से अमृत निकलेगा, जिसे पिलाकर मैं देवताओं को अमर बना दूंगा, तभी देवता दैत्यों को पराजित करके पुनः स्वर्ग को प्राप्त कर सकेंगे।

इन्द्र दैत्यराज बलि के पास गये और अमृत लोभ से देवताओं और दैत्यों में संधि हो गयी। देवताओं और दैत्यों ने मिलकर मंदराचल को उठाकर समुद्र तट की ओर ले जाने का प्रयास किया, किंतु असमर्थ रहे। अंत में स्मरण करने पर भक्त भयहारी भगवान पधारे। उन्होंने खेल खेल में ही भारी मंदराचल को उठाकर गरुण पर रख लिया और क्षणमात्र में क्षीरसागर के तट पर पहुंचा दिया। मंदराचल की मथानी और वासुकी नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन प्रारम्भ हुआ। भगवान ने मथानी को धंसते हुए देखकर स्वयं कच्छप रूप में मंदराचल को आधार प्रदान किया। मंथन से सबसे पहले विष प्रकट हुआ, जिसकी भयंकर ज्वाला से समस्त प्राणियों के प्राण संकट में पड़ गये। लोक कल्याण के लिए भगवान शंकर ने विष का पान किया। इसके बाद समुद्र से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वन्तरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पांचजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैः श्रवा और और अमृत कुंभ निकले। अमृत कुंभ निकलते ही धन्वन्तरि के हाथ से अमृतपूर्ण कलश छीनकर दैत्य लेकर भागे, क्योंकि उनमें से प्रत्येक सबसे पहले अमृतपान करना चाहता था।कलश के लिए छीना झपटी चल रही थी और देवता निराश खड़े थे। अचानक वहां एक अद्वितीय सौन्दर्य से भरपूर नारी प्रकट हुई। असुरों ने उसके सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे मध्यस्थ बनकर अमृत बांटने की प्रार्थना की। वास्तव में भगवान ने ही दैत्यों को मोहित करने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। मोहिनी रूप धारी भगवान ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी। सभी ने इस शर्त को स्वीकार किया। देवता और दैत्य अलग अलग पंक्तियों में बैठ गये। जिस समय भगवान मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत पिला रहे थे, राहु धैर्य न रख सका।

वह देवताओं का रूप धारण करके सूर्य-चंद्रमा के बीच बैठ गया। जैसे ही उसे अमृत का घूंट मिला, सूर्य-चंद्रमा ने संकेत कर दिया। भगवान मोहिनी रूप का त्याग करके शंख चक्रधारी विष्णु हो गये और उन्होंने चक्र से राहु का मस्तक काट डाला। असुरों ने भी अपना शस्त्र उठाया और देवासुर संग्राम प्रारम्भ हो गया। अमृत के प्रभाव से तथा भगवान की कृपा से देवताओं की विजय हुई और उन्हें अपना स्वर्ग वापस मिल गया।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

श्रीराम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है।

कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, %अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान

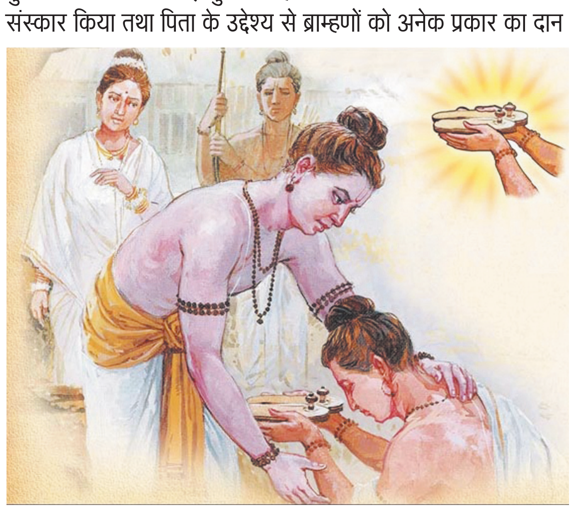

दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया। श्रीराम ने प्रेम से अधीर होकर उन्हें गले से लगाया। भरतजी ने श्रीराम से कहा, हे महाभाग! यह समस्त पैतृक राज्य आप ही का है। आप हमारे बड़े भाई हैं, आप हमारे पितातुल्य हैं। आप इस राज को स्वीकार करें और मेरी माता के अपराध को भुलाकर हमारी रक्षा करें।

श्रीराम ने कहा, भाई पिताजी ने मुझे चौदह वर्ष का वनवास और तुम्हें अयोध्या का राज्य दिया है। पिता के आदेश का पालन करना हम दोनों का परम धर्म है। जो मनुष्य पिता के आदेश का उल्लंघन करता है वह जीता हुआ भी मृतक के समान है। अतः तुम अयोध्या का पालन करो और मैं दण्डकारण्य में निवास करूंगा तथा वनवास से लौटने के बाद जैसा तुम चाहोगे वैसा करूंगा। इस तरह विभिन्न प्रकार से समझाकर श्रीराम ने अपनी चरण पादुकाएं श्री भरत जी को सौंप दीं। भरतजी अयोध्या लौट आये और उन पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए अयोध्या पर शासन करने लगे।

उंगलियां बताएंगी आपकी आर्थिक स्थिति

धन-संपत्ति का होना या आपकी जिंदगी में इसका आना काफी हद तक आपके टैलंट के साथ-साथ आपके हाथों की रेखा पर भी निर्भर करता है। आइए जानें कि उंगलियों को देख आप कैसे पता लगाएंगे कि आपकी जिंदगी में कब धनागमन होगा या फिर इन चीजों से आपका जीवन सूना रहेगा।

1. यदि आपकी कनिष्ठा उंगली और अनामिका उंगली को आपस में सटाने के बाद बीच में गैप नज़र आ रहा हो तो समझ लीजिए कि बुढ़ापे में पैसों की तंगी से आप परेशान हो सकते हैं।
2. यही गैप यदि मध्यमा और अनामिका उंगली के बीच नज़र आ रही हो तो साफ है कि युवा अवस्था में आप पैसों के संकट से जूझ सकते हैं।
3. यदि मध्यमा और तर्जनी के बीच यह गैप हो तो बचपन में जातक को आर्थिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है।
4. यदि यह गैप किसी भी उंगली के बीच न हो तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति जन्म भर धन-संपत्ति से परिपूर्ण रहता है।
5. यदि उंगलियों के सभी पर्व लंबे हों तो व्यक्ति धनवान होता है।
6. यदि मध्यमा उंगली के तीसरे पर्व के करीब अनामिका आकर मिल गई हो तो ऐसे लोग कलाकार, बुद्धिमान, विद्वान और विचारशील होते हैं और इस क्षेत्र में धन कमाते हैं।

7. यदि अनामिका उंगली सीधी और लंबी है तो समझ लें कि जातक धन कमाने के मामले में काफी कुशल होता है।
8. यदि अनामिका उंगली तर्जनी के समान लंबी हो और उसका पहला पर्व चपटा हो तो व्यक्ति को खूब धन व सम्मान मिलता है।
9. यदि व्यक्ति की उंगलियों में अनामिका का तीसरा पर्व ज्यादा लंबा हो और गांठें उन्नत हों तो बिना वह किसी परेशानी के धन कमाने में लीन रहता है।
10. यदि जीवन रेखा से कई छोटी रेखाएं नज़र आएं और यह ऊपर की ओर जाती दिखे तो समझ लीजिए कि उस खास उम्र में व्यक्ति धन-संपत्ति और सम्मान पाता है।
11. यदि मस्तिष्क रेखा से कोई रेखा गुरु पर्वत की ओर जाए और उसके अंत पर क्रॉस जैसे निशान हो या फिर कोई टेढ़ी-मेढ़ी रेखा हो तो ऐसे लोगों को चाहकर भी धन पाने में सफलता नहीं मिल पाती।
12. अंगूठे के दोनों पर्व यदि कठोर और बराबर हैं तो यह धन और बिजनेस को खूब बढ़ाता है।

अंगूठा बताता है आपका व्यक्तित्व

कहते हैं अंगूठा मस्तिष्क का अहम बिंदु होता है। पुराने जमाने में किसी का अंगूठा देखकर उसकी बीमारी और उपचार के बारे में बताया जाता था। आइए, जानें कि अंगूठे का शेप क्या-क्या कहता है आपके बारे में...

- अंगूठा यदि मोटा हो तो कहते हैं ऐसे लोग बड़े ही जिद्दी स्वभाव के और भद्दे आचरण वाले होते हैं।
- अंगूठा यदि छोटा हो तो ऐसे लोग फिकल माइंड के होते हैं। पल में ये पल में वो- यह सोचने में उन्हें ज्यादा देर नहीं लगती। अंगूठा छोटा और पतला हो तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति कमजोर और उनमें लीडिंग पावर की कमी दिखती है।
- लंबे अंगूठे वालों का व्यक्तित्व शानदार होता है। वे काफी जल्दी खुद पर कंट्रोल करना जानते हैं।
- कहते हैं कि अंगूठे के आगे का हिस्सा यदि शेप में पतला हो तो व्यक्ति बेहद होशियार, बुद्धिमान और हर बात को अलग और बेहतर तरीके से सोचने वाला और संवेदनशील होता है।
- कुछ लोगों का अंगूठा ऊपर से बिल्कुल चौड़ा सा नजर आता है। जिनका अंगूठा ऐसा हो, वह व्यक्ति प्रैक्टिकल होता है। कही अनकही बातों पर ध्यान न देते हुए वह वही करता है जो प्रैक्टिकली सही हो। हालांकि ऐसे लोग बड़ी जल्दी उत्तेजित भी हो जाते हैं।
- हममें से ज्यादातर लोगों का अंगूठा नीचे से मोटा और ऊपर थोड़ा पतला और मुड़ा होता है। लेकिन, यदि किसी का अंगूठा शेप में बिल्कुल सीधा हो तो समझ लें कि मूड खराब होने पर उन्हें समझाना किसी के बस की बात नहीं। स्वभाव से बड़े ही जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।
- कुछ लोगों का अंगूठा बेहद लचीला होता है और ऐसे लोगों का स्वभाव भी काफी सॉफ्ट होता है। दोस्ती तो इनकी सबसे हो जाती है, लेकिन ऐसे लोगों पर भरोसा कोई जल्दी नहीं करता।

नही बुझ पाई सबसे बड़ी जंगल की आग, दो की मौत सैकड़ों घर तबाह

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास राज्य के जंगल में लगी आग को बुझाने में दमकलकर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि अग्निशामकों को राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग को पैनहैंडल शहर के बड़े हिस्से में फैलने से रोकने के लिए शनिवार को बढ़ते तापमान और तेज हवाओं जैसी कठिन मौसमी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। 'स्मोकहाउस क्रीक आग' को टेक्सास के इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग बताया है। जंगल में आग सोमवार को लगी लेकिन अभी इसके कारणों का पता नहीं चला है। बाद में यह आब टेक्सास के कैनेडियन शहर के आसपास भी फैल गई। बुधवार तक आग पैनहैंडल में बड़े पैमाने पर खेतों तक फैल गई थी और बृहस्पतिवार तक यह राज्य की सबसे भीषण आग में तब्दील हो गई। हालां ?कि आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। टीम के प्रवक्ता जेसन नेडलो ने बताया कि दमकलकर्मियों का लक्ष्य उत्तरी और पूर्वी सीमा पर आग पर काबू पाना है क्योंकि दक्षिण-पश्चिम से चल रही तेज हवाओं से आग की लपटों के कई एकड़ जमीन में फैलने का खतरा है। आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई है। भीषण आग से टेक्सास के पैनहैंडल में मैदान तबाह हो गए है, मवेशी मारे गए हैं, घर जल गए हैं और इस प्रकार से कुल 500 निर्माणस्थल नष्ट हुए हैं। आग लगने के बाद देखते ही देखते आग की लपटें ओक्लाहोमा सीमा को पार कर गई है। इस आग से 4,400 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र जल गया है। मौसम की स्थिति से अभी यह अनुमान लगाना संभव नहीं है कि आग की लपटों पर पूरी तरह से कब तक काबू पा ?लिया जाएगा।

भारतीय नर्तक की अमेरिका में गोली मारकर हत्या, दूतावास ने की निंदा

न्यूयॉर्क ।एक भारतीय छात्र की अमेरिका में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस तरह से भारतीयों व भारतीय-अमेरिकी पर यह एक और हमला बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार वाशिंगटन विश्वविद्यालय के छात्र एवं 34 वर्षीय शास्त्रीय नर्तक की मिसौरी के सेंट लुइस में गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुचिपुड़ी एवं भरतनाट्यम नर्तक अमरनाथ घोष को सेंट लुइस एकेडमी और सेंट्रल वेस्ट इंड इलाके की सीमा के निकट कई गोलियां मारी गईं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह पिछले साल पश्चिम बंगाल से अमेरिका आए थे। एक खबर के अनुसार, सेंट लुइस मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग ने बताया ?कि डेलमर बौलेवार्ड और क्लेरेंडन एवेन्यू में मंगलवार शाम सात बजकर 15 मिनट पर यह गोलीबारी हुई। घोष वाशिंगटन विश्वविद्यालय के 'परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग से स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे थे। बंगाल के सूरी शहर के रहने वाले घोष चेन्नई के प्रतिष्ठित संस्थान कलाश्रेष्ठ के पूर्व छात्र थे। घटना के बाद अमरनाथ के चाचा श्यामल घोष ने शनिवार को कहा कि अमेरिका में उनके भतीजे की मौत के बारे में उन्हें अब तक विस्तृत जानकारी नहीं मिली है, जबकि घटना को चार दिन बीत चुके हैं। समाचार पोर्टल ने अमरनाथ की मित्र हिमा कुप्पा के हवाले से कहा, अमरनाथ बैले नृत्य सीख रहे थे। मुझे लगता है कि यह वाशिंगटन विश्वविद्यालय में पूर्ण छात्रवृत्ति थी। उनका सपना नृत्य में पीएचडी की उपाधि हासिल करना और हमारी कुचिपुड़ी कला अकादमी में हमारे साथ पूर्णकालिक काम करने का था। उधर अमरनाथ की हत्या के बाद शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने स्थानीय पुलिस और विश्वविद्यालय के समक्ष यह मुद्दा उठाया है। भारत के वाणिज्य दूतावास ने मृतक के रिश्तेदारों को हरसंभव मदद का उल्लेख करते हुए शिकागो में 'एक्स पर पोस्ट किया कि उसने निंदनीय हमले की जांच के लिए सेंट लुइस पुलिस और विश्वविद्यालय के समक्ष मामले को दृढ़ता से उठाया है। मृतक के परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इसने कहा, 'हम फॉरेंसिक विभाग, पुलिस के साथ जांच कर रहे हैं और सहायता प्रदान कर रहे हैं। वाशिंगटन विश्वविद्यालय ने हत्या की घटना की निंदा करते हुए इसे समझ से परे संवेदनहीन हिंसा बताया है।

कंगाली से जूझ रहे मिस्र ने 35 अरब डॉलर में बेचा धरती का स्वर्ग

इजिप्ट ।म्रिस इस समय आर्थिक कंगाली से जूझ रहा है, इसके लिए वह अपने शहरों तक को बेच रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पैसे जुटाने के लिए मिस्र की सरकार को एक-एक कर अपने प्रमुख शहरों को बेचना पड़ रहा है। इसी कड़ी में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी ने धरती पर स्वर्ग कहे जाने वाले अपने प्रमुख शहर रास अल हिकमा को भी बेच दिया है। मिस्र के इस ऐतिहासिक शहर को एक मुस्लिम देश यूएई ने ही खरीद लिया है। बताया जा रहा है कि यूएई ने 35 अरब डॉलर की रकम खर्च करते हुए रास अल हिकमा को खरीदा है। मिस्र के शहर रास अल हिकमा की बात करें तो यह समुद्र के किनारे बसा एक बेहद ही खूबसूरत शहर है। हालांकि, इस शहर को मजबूरी में मिस्र को बेचना पड़ा है। रास अल हिकमा पर्यटकों के पसंदीदा स्थान के रूप में भी मशहूर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मिस्र द्वारा इस शहर को खरीदने के बाद यूएई यहां कई प्रॉजेक्ट पर जल्द ही काम शुरू करने वाला है। यूएई द्वारा यहां करीब 150 अरब डॉलर के निवेश का प्लान बनाया गया है। इस मेगा प्रॉजेक्ट में मिस्र की भी 35 फीसदी साझेदारी है। बता दें कि अगर यह प्लान कामयाब रहा तो मिस्र के इतिहास में यह सबसे बड़ा कोई विदेशी निवेश होगा। यूएई के अलावा सऊदी अरब और कतर ने भी मिस्र के कई शहरों को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। मिस्र की मौजूदा आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है। यही वजह है कि वह अपने प्रमुख शहरों को बेचने पर मजबूर हो रहा है। रही बात मौजूदा सरकार को अन्य देशों से कर्ज भी नहीं मिल रहे हैं। हाल ही में सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों से कर्ज मांगा था, लेकिन दोनों देशों से हा खड़े कर दिए थे। मजबरू में शहर ही बेचना पड़ गया।

विदेशों में लगातार हो रही भारतीयों की हत्या, आविदजान में भारतीय दंपत्ति की संदिग्ध मौत

आबिदजान। हाल ही में अमेरिका में भारतीय क्लासिकल डांसर अमरनाथ घोष की गोली मारकर हत्या कर दी गई तो वहीं अब पश्चिम अफ्रीकी देश आइवरी कोस्ट के आबिदजान में दो भारतीय नागरिकों की मौत की खबर मिली है। मृतकों की पहचान संतोष गोयल और संजय गोयल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों भारत से आइवरी कोस्ट जा रहे थे। भारतीय दूतावास ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन समय में उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक आधिकारिक बयान में, भारतीय दूतावास ने खुलासा किया कि वह शवों को भारत वापस भेजने की सुविधा के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। दूतावास ने यह भी कहा है कि वह शोक संतप्त परिवार को व्यापक सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा दूतावास ने इस बात पर जोर दिया कि वह भारतीय नागरिकों की मौत के आसपास की परिस्थितियों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए बारीकी से काम कर रहा है। दूतावास ने बयान में कहा कि हम मामले की व्यापक जांच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाना और शोक संतप्त परिवार को जवाब देना है। हम इस स्थिति में स्पष्टता लाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करना जारी रखेंगे।दूतावास ने पोस्ट में कहा हम संतोष गोयल और संजय गोयल के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। हमारा दूतावास इस दुखद समय में परिवार को हर संभव सहायता देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए त्वरित और सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

कश्मीर में हमले करने वाला मोस्ट वांटेड आतंकी पाकिस्तान में ढेर

इस्लामाबाद। कश्मीर में ताबड़तोड़ हमले करने वाला आतंकी ढेर हो गया है। शनिवार को पाकिस्तान स्थित मोस्ट वांटेड आतंकवादी कमांडरों में से एक शेख जमील-उर-रहमान को खैबर पख्तूनख्वा के एबटाबाद में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया है। रहमान यूनाइटेड जिहाद काउंसिल (यूजेसी) का महासचिव और तहरीक-उल-मुजाहिदीन (टीयूएम) का अमीर था। वह कश्मीर के पुलवामा के रहने वाला था। अक्टूबर 2022 में गृह मंत्रालय द्वारा उसे आतंकवादी घोषित किया गया था। उसकी मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। एक अधिकारी ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमलों में शामिल था और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ भी काम करता था। आपको बता दें कि हाल के कुछ महीनों में पाकिस्तान में रहस्यमय परिस्थितियों में कई आतंकवादी मारे गए हैं या मृत पाए गए हैं।

मलेशिया में विश्व पतंग समारोह में आसमान पर उड़ती हुई पतंगें।

मिसौरी के रिपब्लिकन प्रेसिडेंशियल कॉकस में फिर कामयाब हुए ट्रंप

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार चुनाव जीत रहे हैं। उनकी जीत के बढ़ते कदम उन्हे राष्ट्रपति की कुर्सी की तरफ ले जा रहे हैं। बीते रोज उन्होंने एक और शानदार जीत हासिल की है। ट्रंप ने मिसौरी के रिपब्लिकन प्रेसिडेंशियल कॉकस में जीत हासिल की है। मध्य-पश्चिमी राज्य में संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली पर ट्रम्प की जीत पूर्व राष्ट्रपति के लिए एक और अच्छी खबर है, जिन्होंने पहले आयोवा, न्यू हैम्पशायर, नेवादा और दक्षिण कैरोलिना में जीत हासिल की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक प्रमुख

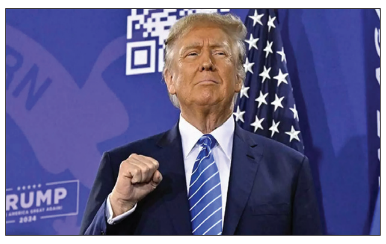

राज्य मिशिगन में, ट्रम्प ने मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में 68 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर जीत हासिल की थी। शनिवार को, रिपब्लिकन सम्मेलन के दौरान उन्हें अधिक प्रतिनिधियों का समर्थन मिला, इससे उत्तरी राज्य में उनकी जीत पक्की हो गई। ट्रम्प ने अब तक 100 से अधिक प्रतिनिधियों को एकत्र किया है। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद का नामांकन हासिल करने के लिए कम से कम 1,215 प्रतिनिधियों का समर्थन हासिल करने की आवश्यकता होगी।

अमेरिका में भाजपा समर्थकों ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान शुरू किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा करने पर अमेरिका में रह रहे उसके समर्थकों ने चुनाव में 400 सीट जीतने के लक्ष्यों की ओर योगदान देने और स्वयंसेवा करने का संकल्प लेते हुए अपना 2024 का प्रचार अभियान शुरू किया है। भाजपा ने शनिवार को 195 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है जिनमें से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाराणसी समेत 51 सीट उत्तर प्रदेश से हैं। 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी), यूएसए' के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने वाशिंगटन डीसी के मैरीलैंड उपनगर में शनिवार को चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने के बाद कहा, 'भारतीय प्रवासी समुदाय भारत में भाजपा को समर्थन देने जा रहा है।' इस कार्यक्रम में ओएफबीजेपी के करीब 100 कोर सदस्य शामिल हुए। भारत में लोकसभा के 543 सदस्यों को चुनने के लिए अप्रैल और मई 2024 के बीच आम चुनाव प्रस्तावित हैं। भारतीय-अमेरिकियों ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, जम्मू कश्मीर, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना समेत विभिन्न भारतीय राज्यों में मामलों के उनके विश्लेषण पर प्रस्तुतियां दीं। अभी तक 3,000 से अधिक स्वयंसेवियों ने ओएफबीजेपी द्वारा समन्वित विभिन्न चुनाव संबंधी गतिविधियों के लिए हस्ताक्षर किए हैं।

कभी बरसाए बम, अब अमेरिकी आसमान से गिरा रहे खाने के पैकेट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जिस अमेरिकी आसमान से कभी बम बरसाए जा रहे थे, आज वहीं से खाने के पैकेट गिराए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिकी सेना के सी-130 मालवाहक विमानों ने शनिवार को गाजा में खाद्य सामग्री के लगभग 38,000 पैकेट गिराए। यह जानकारी देते हुए अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि वायु सेना की केंद्रीय कमान के तीन विमानों ने सुबह 8.30 बजे ईएसटी पर खाद्य सामग्री के लगभग 38,000 पैकेट वाले 66 बंडल गाजा में गिराए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गाजा में हवाई मार्ग से मानवीय सहायता पहुंचाने की शुक्रवार को घोषणा की थी। इसे गाजा में पहुंचाई जाने वाली मानवीय सहायता की यह पहली किश्त है। यह मानवीय सहायता जॉर्डन के सहयोग से पहुंचाई जा रही है। जबकि गाजा में गुरुवार को एक मानवीय सहायता काफिले से खाद्य सामग्री लेने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों की एक भीड़ पर इजराइली सैनिकों की गोलीबारी में कम से कम 115 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे।

इसे लेकर व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को कहा कि जमीन पर मौजूद लोगों को सुरक्षित तरीके से आपातकालीन मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए हवाई मार्ग से सामग्री गिराए जाने की योजना बनाई जा रही है। सी-130 मालवाहक विमान कठिन परिस्थितियों में उतरने की क्षमता और मालवाहक क्षमता के कारण दूरदराज के स्थानों पर सहायता पहुंचाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला जेट विमान है। इधर संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा के 23 लाख लोगों में से एक चौथाई लोग भुखमरी का सामना कर रहे हैं। इससे पहले 29 फरवरी को गाजा शहर में राहत सामग्री का इंतजार कर रही फिलिस्तीनी भीड़ पर इजराइली सैनिकों के हमले में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गयी थी। इसके साथ ही करीब पांच महीने पहले शुरू हुए इजराइल-हमास युद्ध में मरने वाले लोगों की संख्या 30 हजार से ज्यादा हो गयी। हालांकि इजराइली अधिकारियों ने कबूल किया कि सैनिकों ने गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि भीड़ से धमकी मिलने के बाद सैनिकों ने गोलीबारी की।

स्लोवाक के विदेश मंत्री ने रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का किया विरोध

अंताल्या (तुर्की)। स्लोवाक के विदेश मंत्री जुराज ब्लानार ने कहा है कि उनका देश रूस पर प्रतिबंध लगाने का विरोध करता है और युद्ध को बढ़ाने के लिए यूक्रेन में कोई हथियार या सेना नहीं भेजेगा। दक्षिणी तुर्की शहर में आयोजित अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम के मौके पर अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक के बाद उन्होंने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, 'प्रतिबंध रूसी अर्थव्यवस्था की तुलना में यूरोपीय संघ को और भी अधिक नुकसान पहुंचाता है।卐 उन्होंने कहा, 卐हम किसी अन्य प्रतिबंध का समर्थन नहीं करेंगे, जो रूस से ज्यादा स्लोवाकिया को नुकसान पहुंचाएगा।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैनर ने कहा, 卐स्लोवाकिया की नई सरकार के रूप में, हम यूक्रेन को कोई हथियार नहीं देंगे।' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'हमारी स्थिति अब पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट है, हम युद्धविराम और शांति वार्ता का आह्वान करते हैं, जो इस संकट का एकमात्र समाधान है।' उनकी यह टिप्पणी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के सोमवार के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस की हार सुनिश्चित करने के लिए सैनिकों की तैनाती सहित वह सब कुछ किया जाना चाहिए जो आवश्यक है।

रिफ्यूजी टेंट पर हुए इजरायली हमले में 11 की मौत

फलीस्तीनी (एजेंसी)। शनिवार को इजरायल ने दक्षिणी शहर राफा में एक अस्पताल के पास विस्थापित नागरिकों के रिफ्यूजी टेंट पर हमला किया। इसमें लगभग 11 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला अमीराती अस्पताल के पास हुआ है। इस हमले के बीच इजरायली सेना ने दावा किया कि अस्पताल के क्षेत्र में इस्लामिक जिहाद समूह के आतंकवादियों को निशाना बनाकर सटीक हमला किया गया था। इस हमले को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेबियस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी चिंता जाहिर की और इस इजरायली स्ट्राइक को अपमानजनक और अकथनीय करार दिया। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-कुद्रा ने एक बयान में कहा कि अमीराती मैटरनिटी अस्पताल के पास हुए विस्फोट में मारे गए लोगों में एक सहायक चिकित्सक भी शामिल है और बच्चे घायल हो गए। कुद्रा ने कहा कि इजरायली बलों द्वारा अमीराती अस्पताल के पास विस्थापित लोगों के तंबुओं को निशाना बनाने के परिणामस्वरूप 11 नागरिक शहीद हो गए और बच्चों सहित लगभग 50 घायल हो गए।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज के अनुसार, सड़कों पर खून से लथपथ शव दिखाई दे रहे थे और भीड़ जमा हो गई थी। साथ ही लोग घायलों को इलाज के लिए ले जा रहे थे। राफा में घायल लोगों को स्ट्रेचर पर कुवैती अस्पताल ले जाते हुए देखा गया। इजरायली सेना ने पुष्टि की कि अस्पताल के क्षेत्र के पास हमला हुआ। सेना ने एक बयान में कहा कि इस्लामिक जिहाद आतंकवादियों के खिलाफ सटीक हमला किया गया और क्षेत्र के अस्पताल को कोई नुकसान नहीं हुआ। इजरायल ने बार-बार हमास के आतंकवादियों पर सैन्य उद्देश्यों के लिए अस्पतालों का उपयोग करने का आरोप लगाया है, लेकिन फलस्तीनी समूह इससे इनकार करता है। एक अनुमान के अनुसार 15 लाख फलस्तीनियों ने राफा में शरण मांगी है, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि अगर इजरायल शहर पर योजनाबद्ध जमीनी आक्रमण करता है तो बड़े पैमाने पर हताहत होंगे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास के खिलाफ इजरायल के जवाबी सैन्य अभियान में कम से कम 30,320 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

पीटीआई के उमर अयूब को हराकर शहबाज शरीफ फिर बने पाकिस्तान के पीएम

-कुर्सी पर बैठते ही अलापा कश्मीर राग भारत के साथ संबंधों पर साध ली चुप्पी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक बार फिर उमर अयूब को हराकर शहबाज शरीफ पाकिस्तान के पीएम बन गए हैं। उन्होंने पीएम बनते ही कश्मीर राग अलापना शुरु कर दिया है। हालांकि भारत से संबंधों के मामले में उन्होंने चुप्पी साध ली है। ताजा जानकारी के अनुसार पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के वरिष्ठ नेता शहबाज शरीफ एक बार फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन गए हैं। रविवार 3 मार्च 2024 को उन्हें वोटिंग के बाद पीएम चुन लिया गया। शहबाज शरीफ ने शनिवार 2 मार्च को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। वोटिंग से पहले ही आंकड़े पीएमएल-एन के हक में थे और माना जा रहा था कि शहबाज शरीफ के हाथों में एक बार फिर से देश की कमान आएगी। उनके खिलाफ इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेता उमर अयूब खान ने पीएम पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। पाकिस्तानी संसद में रविवार को पीएम के चुनाव के लिए वोटिंग के दौरान शहबाज ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर 100 वोटों से अधिक की बढ़त हासिल की। शहबाज शरीफ को कुल 201 वोट मिले, जबकि पीटीआई के उमर अयूब खान को 92 वोट मिले। इसके बाद शहबाज शरीफ के नाम की पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री के रूप में घोषणा कर दी गई। शहबाज शरीफ सोमवार को पद की शपथ लेंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में पिछले दिनों हुए चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। इसके बाद नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन ने पीपीपी और एमक्यूएम के साथ गठबंधन करके सरकार बनाने का फैसला किया था। बता दें कि शहबाज शरीफ पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ के छोटे भाई हैं। उन्होंने पार्टी की तरफ से पीएम के लिए नामांकन किया था। शहबाज शरीफ इससे पहले अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक पाकिस्तान के पीएम रह चुके हैं। उस वक्त भी उन्होंने पीपीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी।

शहबाज शरीफ पाकिस्तान के 24वें प्रधानमंत्री बने हैं। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री चुने जाने का ऐलान करने के बाद उन्हें सदन को संबोधित करने के लिए कहा। शहबाज ने गाजा, कब्जे वाले कश्मीर की स्थिति पर दुनिया से चुप्पी तोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा, आइए हम सब एक साथ आएं और नेशनल असेंबली को कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी के लिए एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए। हालांकि शहबाज शरीफ ने भारत, अफगानिस्तान के साथ संबंधों का कोई जिक्र नहीं किया, जबकि उन्होंने कश्मीर का जमकर जिक्र किया। वहीं चीन के साथ संबंधों, सीपीईसी की भूमिका, अमेरिका, यूरोप, सऊदी, यूएई आदि के साथ संबंधों पर खुलकर बोले।

अबू धाबी का मंदिर आमजनों के लिए खुला- अंग प्रदर्शन वाले कपड़ों में नहीं मिलेगी अनुमति, टोपी वालों को भी नहीं मिलेगा प्रवेश

दुबई (एजेंसी)। मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में बने भव्य हिंदू मंदिर में टोपी पहनकर जाने वालों को प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके अलावा पारदर्शी और टाइट कपड़े पहनने वालों को भी अनुमति नहीं मिलेगी। गाइडलाइंस में कहा गया है कि श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले गर्दन, कोहनी और टखनों के बीच के शरीर के क्षेत्र को ढककर रखना होगा। गाइडलाइंस में कहा गया है, टोपी, टी-शर्ट और आपत्तिजनक डिजाइन वाले अन्य कपड़ों की अनुमति नहीं है। जालीदार या आर-पार दिखने वाले और टाइट-फिटिंग कपड़े न पहनें।गाइडलाइंस में मंदिर प्रांगण में पालतु पशुओं को भी प्रवेश नहीं देने की बात कही गई है। इसके अलावा मंदिर परिसर में बाहरी भोजन और पेय की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, मंदिर परिसर के भीतर ड्रोन कैमरे या ड्रोन सख्त वर्जित हैं। गाइडलाइंस के मुताबिक मंगलवार से रविवार तक मंदिर सुबह 9 बजे से शाम 8 बजे तक खुले रहेंगे। हरेक सोमवार को मंदिर आगंतुकों के लिए बंद रहेगा।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 फरवरी को पत्थर से निर्मित अबू धाबी के इस पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया था। मंदिर प्रबंधन ने अपनी वेबसाइट पर मंदिर में आने वाले भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें ड्रेस कोड से लेकर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के नियम बताए गए हैं।मंदिर की वेबसाइट पर बताए गए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, टी-शर्ट, टोपी और टाइट फिटिंग ड्रेस पहनकर आने वालों को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। यह मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल राहबा के पास 27 एकड़ क्षेत्र में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। मंदिर के लिए जमीन यूएई सरकार ने दान में दी है। इस मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया गया है। इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर में स्वंयसेवक उमेश राजा के अनुसार, 20 हजार टन से अधिक चूना पत्थर के टुकड़ों को राजस्थान में तराशा गया और 700 कंटेनर में अबू धाबी लाया गया।

बोचासनवासी श्री अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने 'एक्स' पर कहा, ''प्रतीक्षा समाप्त हुई! अबू धाबी मंदिर को अब सभी आगंतुकों और श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है।'' इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि मंदिर सोमवार को छोड़कर सभी दिन सुबह नौ बजे से रात आठ बजे तक खुला रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सिन्हा

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि सरकार सभी को बेहतर स्वास्थ्य मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शनिवार को कहा कि उनका प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में लोगों को गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिन्हा ने पुंछ और राजौरी में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर के समापन समारोह को वीडियो

कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सेहत योजना के तहत प्रशासन ने इस साल जनवरी के पहले सप्ताह तक नागरिकों के इलाज पर कुल 1,735 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उपराज्यपाल ने सर्जिकल उपचार विकल्पों की पूरी श्रृंखला प्रदान करने और सप्ताह भर के स्वास्थ्य शिविर के दौरान इन सीमावर्ती जिलों में 600 से अधिक सर्जरी करने में देश के विभिन्न हिस्सों से प्रशिक्षित विशेषज्ञों के योगदान की जमकर सराहना भी की। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, हमने केंद्र शासित प्रदेश में लोगों तक पहुंचने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं के अंतर को पाटने में बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, डिजिटल हस्तक्षेप और चिकित्सा शिक्षा और महत्वपूर्ण देखभाल के क्षेत्र में शुरू किए गए सुधारों ने जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है। सिन्हा ने कहा ?कि हमने चार महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें चिकित्सक, दवाएं, निदान और वितरण तंत्र शामिल हैं।

प्रश्नपत्र लीक मामले में कॉलेज की मान्यता समाप्त, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ । यूपी के आगरा में राज्य बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा के गणित और जीव विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र लीक मामले में कॉलेज की मान्यता समाप्त कर दी गई है, जब?कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार प्रश्न पत्र लीक होने के मामले में मुख्य आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर विनय चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं अतर सिंह इंटर कॉलेज की मान्यता समाप्त कर दी गयी। हालांकि बोर्ड की शेष परीक्षाएं इसी केंद्र पर होंगी और नये केंद्र व अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा केंद्र पर तैनात कर दिये गये हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने बताया कि आगरा जिले के परीक्षा केंद्र अतर सिंह इंटर कॉलेज से बृहस्पतिवार को प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आई थीं हालांकि इसका परीक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक में विद्यालय की मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया। सचिव शुक्ल ने बताया कि बैठक में स्पष्ट किया गया कि अगक कोई विद्यालय प्रश्नपत्रों की गोपनीयता भंग करने का प्रयास करता है तो उसकी मान्यता तत्काल समाप्त कर दी जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के सभी विद्यालय निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट के अलावा कोई अन्य व्यक्ति मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के संचार उपकरण का प्रयोग नहीं करेगा। प्रश्नपत्र लीक मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति भी गठित कर दी गयी है, जो जांच करेगी।

उत्तराखंड : हिमालयी क्षेत्रों ने ओढ़ी बर्फ की चादर, बारिश और बर्फबारी जारी

देहरादून। हिमालय की चोटियों पर शुरू हुई बर्फबारी का क्रम रविवार को भी जारी रहा। चारधाम धाम, हेमकुंड,चकराता समेत उच्च हिमालयी क्षेत्रों ने बर्फ की मोटी चादरें ओढ़ ली हैं। देहरादून व मसूरी सहित निचले पहाड़ी इलाकों में भी रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है। बर्फबारी और बारिश से राज्य में एक बार फिर ठंडक लौट आई है। मौसम विभाग की ओर से 05 जनपदों में आज के लिए भारी बर्फबारी की संभावना जतायी गयी है, जबकि 04 मार्च (सोमवार) से मौसम साफ रहने के आसार हैं। प्रदेश में बर्फबारी और बारिश के चलते 05 राष्ट्रीय राजमार्ग और दो बॉर्डर मार्ग बाधित हैं, जिन्हें खोलने कार्य जारी है। जनपद देहरादून में रात्रि से लेकर रविवार को रुक-रुक तेज बारिश की बौछारें गिर रही हैं। रविवार को अवकाश का दिन होने के बावजूद लोग सुबह से घरों से बाहर नहीं निकले। देहरादून के डोईवाला, ऋषिकेश, विकासनगर, कालसी, त्यूनी और उप तहसील मसूरी में हल्की बारिश हो रही है। केदारनाथ धाम में ढाई फीट से अधिक बर्फ जम गई है। धाम में पिछले एक सप्ताह से बर्फबारी का दौर रविवार को भी जारी रहा। केदारनाथ धाम के साथ ही पवालीकांठा, मध्यमेश्वर, तुंगनाथ, चोपता, चंद्रशिला आदि क्षेत्रों में बर्फबारी हुई। चमोली में बद्रीनाथ धाम,उत्तरकाशी में बर्फबारी और बारिश हो रही है। कुमाऊं के बागेश्वर जिले और अल्मोड़ा मद हल्की बारिश और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। ग्रामीण इलाकों में काश्तकार वर्षा होने से खुश हैं। 3,000 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी जारी रहने की संभावना है। लगातार हो रही बर्फबारी के बाद चमोली के औली, हर्षिल, गौरसों, चोपता, तुंगनाथ आदि स्थलों पर पर्यटकों की आमद बढ़ गई है। मौसम विभाग की ओर से रविवार को जारी पूर्वानुमान में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली,पिथौरागढ़, बागेश्वर जनपदों में 3000 हजार व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं कहीं भारी बर्फबारी की संभावना है।

स्टीम पास्ट के साथ खत्म हुआ भारत-मलेशिया का द्विपक्षीय अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण'

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के जहाज किल्टन और रॉयल मलेशियाई नौसेना जहाज केडी लेकिर ने द्विपक्षीय अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण' के समुद्री चरण के दौरान विभिन्न समुद्री अभियान चलाए। भारत-मलेशिया द्विपक्षीय अभ्यास के समुद्री चरण का समापन पारंपरिक स्टीम पास्ट के साथ हुआ। अभ्यास में तोपखाना फायरिंग, नाविक विकास, समुद्री नौकाएं, हेलीकॉप्टर और समुद्री गश्ती विमान संचालन शामिल थे। भारत-मलेशिया द्विपक्षीय अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण' 28 फरवरी को विशाखापत्तनम में शुरू हुआ था, जो 02 मार्च तक चला। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस किल्टन और रॉयल मलेशियाई नौसेना के जहाज केडी लेकिर ने इस अभ्यास के तीसरे संस्करण में भाग लिया। समुद्र में दोनों नौसेनाओं के बीच परिचालन चरण के बाद पेशेवर बातचीत भी हुई। बंदरगाह चरण में पेशेवर बातचीत, आपसी हित के विषयों पर विषय विशेषज्ञ का आदान-प्रदान, खेल कार्यक्रम और अन्य बातचीत शामिल रही। इन बातचीत का उद्देश्य ज्ञान के आधार को बढ़ाना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और समुद्री पहलुओं पर सहयोग को आगे बढ़ाना था। समुद्री चरण के दौरान भारत और मलेशिया के जहाजों ने संयुक्त रूप से समुद्र में विभिन्न अभियानों का संचालन करते हुए कौशल को निखारने का प्रयास किया। इस अभ्यास का उद्देश्य भारतीय और रॉयल मलेशियाई नौसेना के बीच संबंधों को मजबूत करने के साथ ही अंतर संचालनीयता बढ़ाना रहा। दोनों जहाजों ने 'समुद्र लक्ष्मण' अभ्यास के समुद्री चरण के दौरान विभिन्न समुद्री अभियान चलाए, जिसमें तोपखाना फायरिंग, नाविक विकास, समुद्री नौकाएं, हेलीकॉप्टर और समुद्री गश्ती विमान संचालन शामिल थे। समुद्री चरण का समापन पारंपरिक स्टीम पास्ट के साथ हुआ।

लोकसभा टिकट को लेकर साध्वी प्रज्ञा की दो टूक, न मांगा था, न मांगूगी

भोपाल । सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने टिकट कटने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मैंने न कभी टिकिट मांगा था, और न ही मांगूंगी। दरअसल भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें 195 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इस लिस्ट में मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 24 पर प्रत्याशी घोषित किए हैं, जबकि 5 सीटों को अभी भी होल्ड पर रखा है। इस दौरान बीजेपी ने छह सीटों पर मौजूदा सांसदों के टिकट काटे हैं, जिसमें भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का नाम भी शामिल है। इस पर अब उनकी प्र?तिक्रिया सामने आई है। बीजेपी नेता और भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि 'मैनें साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भी टिकट नहीं मांगा था। अब भी नहीं मांगूंगी, मुझे टिकट कटने का अफसोस नहीं है। मेरा लक्ष्य भारत को विश्वगुरू बनाना है।' गौरतलब है कि इस बार बीजेपी ने साध्वी प्रज्ञा की जगह आलोक शर्मा को टिकिट दिया है। इस पर साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि भोपाल में अब आलोक शर्मा का स्वागत है। उन्हें विजय का आशीर्वाद देती हं। भोपाल में काम करने का बहुत स्कोप है।

परिवार ही नहीं, फिर क्यों परिवार की बातें करते हैं मोदी : लालू प्रसाद

-पटना की रैली में नीतीश कुमार को बताया पलटूराम, अब आए तो मिलेगा धक्का

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में लालू प्रसाद यादव ने पीएम मोदी को खरीखरी सुनाई। उन्होंने कहा कि जब परिवार ही नहीं है तो फिर क्यों मोदी परिवार की बातें करते हैं। यहां तक कि वह तो हिंदू भी नहीं है। लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को पलटूराम बताते हुए कहा कि अब यदि वापस आए तो यहां से भी तगड़ा धक्का पड़ेगा। बता दें कि पटना में महागठबंधन की बड़ी रैली चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव यहां सभा को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी आजकल परिवारवाद का जिक्र कर रहे हैं। आपके पास परिवार नहीं है। आप हिंदू भी नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी निशाने पर लिया और उन्हें पलटूराम बताया। लालू यादव ने कहा, मोदी कोई चीज है क्या है। ये आजकल परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं। कहते हैं कि लोग परिवार के लिए लड़ रहे हैं। आपके पास परिवार नहीं है। आपकी माता जी का जब देहांत हो गया तो हर हिंदू अपनी मां के शोक में बाल-दाढ़ी छिलवाता है। आप बताओ आपने क्यों नहीं छिलावाया? वह तो राम-

रहीम के बंदों में, देश में नफरत फैला रहे हैं।

राजद प्रमुख लालू यादव ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर कहा कि उन्हें हमने कोई गाली-गलौज नहीं दिया। वह पहली बार भी जब निकले थे तो हमने गाली नहीं दिया, बस हमने यही कहा कि वह पलटूराम हैं। नहीं पलटना चाहिए था लेकिन दोबारा हमसे गलती हो गई। तेजस्वी से गलती हो गई। नरेंद्र मोदी के पैरों के नीचे चले गए, दोबारा पलट गए। लालू यादव ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को नेस्तनाबूद कर देंगे। तेजस्वी को मालूम हो गया था कि राज्यपाल ने नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की फोन पर बात करवाई थी। सरकार में कोई गलत काम नहीं हुआ। नीतीश कुमार को पता नहीं क्या लगा, अब फिर इधर लौटकर आने की हिम्मत करेंगे तो अब यहां से बढ़िया से धक्का मिलेगा।

रैली में पूर्व सीएम लालू यादव ने कहा कि टीवी में देखता हूं कोई माला पहना रहा है, कोई फूल पहना रहा है, शर्म नहीं आती है क्या नीतीश कुमार को ये सब देखकर? देख रहे हैं कि उनका शरीर भी काम नहीं कर रहा है लालू यादव ने कहा, तेजस्वी यादव तरफ घूम रहा है। बहुत मेहनत कर रहा है। 1990 से पिछड़ा वर्ग को वोट देने का भी अधिकार नहीं था। मैंने उन्हें शक्ति दी। लोगों के पास चापा कल नहीं हुआ करता थे, पिछड़े लोगों को कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता था। अब वो ही सत्ता के गलियारे में खड़े हैं। बिहार जो चुनता है देश उसी को फॉलो करता है। तेजस्वी बहुत मेहनत कर रहा है। उसने बेरोजगारों को नौकरी से लगा दिया।

वो बिहार को ठगने आए हैं संभलकर रहना ठगकर चले जाएंगे

पटना। बिहार के औरंगाबाद और बेगूसराय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभाएं की। यहां भारी संख्या में भीड़ जुटी और प्रधानमंत्री को लोगों ने सुना। उनकी गारंटी को भी समझा। यहां तक की राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यहां तक कहा कि हम इधर उधर होने वाले नहीं हैं। आप बिहार में जमकर विकास कीजिए। हम आपके साथ हमेशा रहेगा। मंच से इस तरह के बयानों ने पूरे राज्य में हलचल मचा दी है। जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने इस पर तंज कसा है। उन्होंने बिहार की जनता से आव्हान करते हुए कहा कि आपको संभलकर रहने की जरुरत है। एक बार फिर बिहार को ठगने की तैयारी चल रही है। जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर इसे लेकर नीतीश कुमार पर बड़ा तंज कसा है। पीके ने कहा है कि गठबंधन बनाकर बिहार की जनता को फिर से ठगने का उपाय कर रहे हैं। शनिवार को लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बीजेपी की

बिहार के औरंगाबाद और बेगूसराय में जनसभा थी जिसे पीएम के साथ बिहार सीएम ने संबोधित किया। प्रशांत किशोर ने बयान जारी कर कहा कि जो थोड़ी बहुत राजनीति की समझ है उसके आधार पर एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि बिहार में गठबंधन बनाकर फिर से जनता को ठगने का उपाय किया जा रहा है। 2015 में बिहार के लोगों ने नीतीश कुमार को महागठबंधन के पक्ष में वोट दिया था। 2017 में यह आदमी लोगों को ठगकर भाग गया। बिहार के आप लोग इनको वोट कीजिएगा फिर आपको ठग कर भाग जाएंगे यह लिख कर रख लीजिए। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार लगभग 20 महीने के अंतराल के बाद शनिवार को बीजेपी की जनसभा के दौरान एक मंच पर दिखे। इस मौके पर जेडीयू अध्यक्ष ने नरेंद्र मोदी से बड़ा वादा किया। बिहार सीएम ने कहा कि अब इधर-उधर नहीं जाएंगे परमानेंटली आपके साथ ही रहेंगे।

तेलंगाना सरकार भूखंड के साथ 5 लाख की राशि घर बनाने के लिए देगी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार 11 मार्च को गरीबों के लिए शानदार योजना लागू करने जा रही है। इस योजना के तहत जिन गरीबों के पास मकान नहीं हैं उन्हे भूखंड और 5 लाख रुपए दिए जाएंगे। जबकि जिनके पास भूखंड पहले से हैं उन्हे मकान बनाने के लिए 5 लाख रुपए देने की योजना है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को यह निर्णय लिया और अधिकारियों को लॉन्च के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, छह गारंटियों के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में सरकार महत्वाकांक्षी आवास योजना को एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम के रूप में लेगी। उन्होंने आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के साथ आवास योजना के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए एक समीक्षा बैठक की।

मुख्य सचिव शांति कुमारी, आर एंड बी सचिव श्रीनिवास राजू और अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन सभी पात्र गरीबों को आवास योजना का लाभ देने का निर्देश दिया, जिनके पास अपना घर नहीं है। अधिकारियों को तदनुसार दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए कहा गया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रजा पालन में आवेदन जमा करने वाले सभी पात्र लोगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे डबल बेडरूम घरों के निर्माण में पिछली सरकार द्वारा की गई गलतियों को न दोहराएं और यह सुनिश्चित करें कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही लाभ मिले।

बैठक में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को 3,500 घर देने का एक अस्थायी निर्णय लिया गया। सीएम ने उम्मीद जताई कि बेघर गरीबों का अपने घर का सपना चरणबद्ध तरीके से पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चरणबद्ध तरीके से धनराशि जारी करने के लिए नियम और दिशानिर्देश तैयार करने के

निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि लाभार्थियों को मिलने वाली धनराशि के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जो लोग अपने प्लॉट पर घर बना रहे हैं, उनके लिए विभिन्न प्रकार के घर के मॉडल और डिजाइन उपलब्ध कराए जाएं।

टिकट कटा तो याद आया क्लिनिक

-हर्षवर्धन ने कहा, कृष्णानगर क्लिनिक मेरा कर रहा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए यहां अपने कैंडिडेट लिस्ट को जारी ही किया था कि अब एक ओर जहां उनके नेता चुनाव नहीं लड़ने की बात कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ जिन्हें टिकट नहीं मिला वो न सिर्फ पार्टी छोड़ने बल्कि राजनीति से ही दूरी बनाने की बात कहते दिख रहे हैं। यह सिलसिला तब शुरु हुआ जब गौतम गंभीर और जयंत सिन्हा ने सूची जारी होने से पहले ही खुद को सक्रिय राजनीति से अलग करने का बयान दे दिया था। अब जबकि सूची जारी हो चुकी है तो डॉ. हर्षवर्धन ने खुद को सक्रिय राजनीति से अलग करने का ऐलान कर दिया है। यहां बतलाते चलें कि बीजेपी ने जो टिकटों की घोषणा की है उनमें डॉ. हर्षवर्धन का टिकट कट चुका है और ऐसे में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखी और खुद को राजनीति से दूर करते हुए कृष्णानगर क्लिनिक में जाने का ऐलान कर दिया है।

गौरतलब है कि हर्षवर्धन चांदनी चौक लोकसभा सीट से वर्तमान में सांसद हैं, और इस बार पार्टी ने उन्हें चुनाव मैदान में उतारना मुनासिब नहीं समझा है। लोकसभा चुनाव 2024 के आम चुनाव के लिए बीजेपी ने उनकी जगह प्रवीण खंडेलवाल को चांदनी चौक से टिकट दे दिया है। इससे दुःखी हर्षवर्धन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि तीस साल से अधिक के शानदार राजनीतिक कैरियर में मैंने सभी पांच विधानसभा और दो संसदीय चुनाव लड़े, जो मैंने बड़े अंतर से जीते और पार्टी संगठन व राज्य और केंद्र की सरकारों में कई प्रतिष्ठित पदों पर काम किया है। अब मैं अपनी जड़ों की तरफ वापसी के लिए अनुमति चाहता हूं। इस पोस्ट में उन्होंने अपने माझी को याद किया और तमाम उपलब्धियां भी गिना दी हैं। उन्होंने लिखा कि 50 साल पहले जब मैंने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद की इच्छा के साथ जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में एमबीबीएस में प्रवेश लिया तो मानव जाति की सेवा ही मेरा आदर्श वाक्य था। हृदय से मैं एक स्वयंसेवक बनकर, हमेशा कतार के अंतिम व्यक्ति की सेवा करने की कोशिश करता रहा हूं। इस तरह दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को मैं मानने वाला रहा हूं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वो आरएसएस के कहने पर राजनीति में सक्रिय हुए थे, दरअसल वो लिखते हैं कि तत्कालीन आरएसएस नेतृत्व के आग्रह पर मैं चुनावी मैदान में आया। वे मुझे महज इसलिए मना सके क्योंकि मेरे लिए तो राजनीति का मतलब, हमारे तीन मुख्य शत्रुओं - गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ने का बेहतर अवसर था। उन्होंने कोविड काल की सेवा का भी जिक्र किया है।

त्रिपुरा समझौता शांति स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : माणिक साहा

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि राज्य के मूल निवासियों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए किया गया समझौता शांति एवं समृद्धि हासिल करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शनिवार को टिपरा मोथा, त्रिपुरा सरकार एवं केंद्र सरकार के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। साहा ने कहा, 'यह त्रिपुरा के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इस दिन शांति एवं समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।' एक आधिकारिक बयान के अनुसार समझौते के तहत, त्रिपुरा के मूल लोगों के इतिहास, भूमि एवं राजनीतिक अधिकारों, आर्थिक विकास, पहचान, संस्कृति और भाषा से संबंधित सभी मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने पर सहमति व्यक्त की गई। शाह ने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर करके सरकार ने इतिहास का सम्मान किया है, पिछली गलतियों को सुधारा है और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए वर्तमान वास्तविकता को स्वीकार किया है। साहा ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'टिपरा मोथा पिछले कुछ महीनों से कुछ मुद्दे उठा रहा है। आज हुआ समझौता विपक्षी दल की चिंताओं को दूर करेगा।' उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने पर ध्यान दिए जाने की सराहना करते हुए कहा कि पिछले कुछ साल में क्षेत्र के विभिन्न संगठनों के साथ केंद्र ने कुल 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। त्रिपुरा स्वदेशी प्रगतिशील क्षेत्रीय गठबंधन को टिपरा मोथा के नाम से जाना जाता है। टिपरा मोथा, राज्य और केंद्र सरकारों के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर यहां नॉर्थ ब्लॉक में हस्ताक्षर किए गए।

मोदी की कश्मीर यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सात मार्च को यहां बख्शी स्टेडियम में सुचारू रैली सुनिश्चित करने के लिए पूरे कश्मीर में विशेष रूप से ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। श्री मोदी के दौरे के मद्देनजर पूरे श्रीनगर में 'हाई अलर्ट' घोषित कर दिया गया है जबकि पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियां रैली को सुचारू बनाने के लिए करीबी तालमेल सुनिश्चित कर रही हैं। बख्शी स्टेडियम हालांकि, आम जनता के लिए खुला रहेगा, लेकिन शहर भर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है जबकि सोमवार से तलाशी में तेजी आ सकती है। एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रधानमंत्री बख्शी स्टेडियम में एक रैली को संबोधित करेंगे और एक सुचारू रैली सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा,÷योजना के मुताबिक पुलिस और सीआरपीएफ की तैनाती होगी।' उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल की हवाई निगरानी की जाएगी और कार्यक्रम स्थल के आसपास के कुछ हिस्से ड्रोन निगरानी में भी रहेंगे। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद श्री मोदी की यह पहली कश्मीर यात्रा होगी। उन्होंने फरवरी 2019 में कश्मीर का दौरा किया था। श्री मोदी ने हाल ही में 20 फरवरी को जम्मू का दौरा किया और 32000 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

भाजपा ने पहली सूची में ही अपनी हार मान ली

-बीजेपी द्वारा लोकसभा प्रत्याशियों के ऐलान पर सपा प्रमुख ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवारों की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहली सूची में ही अपनी हार मान ली है। गौरतलब है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को पीएम नरेन्द्र मोदी समेत देश के 195 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जिसमें उत्तर प्रदेश के 51 उम्मीदवार शामिल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि भाजपा की लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची बता रही है कि प्रथम

दृष्टया जिन सीटों पर भाजपा के जीतने की थोड़ी सी भी संभावना है केवल उन 195 सीटों पर ही ये सूची आई है। यादव ने दावा किया कि इसका मतलब साफ है बाकी पर भाजपा साफ है। पूर्व सीएम ने कहा कि पहली सूची में ही भाजपा ने अपनी हार मान ली है क्योंकि वो बगावत के डर से उन लोगों को भी दुबारा उम्मीदवार बना रही है जो अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में कोई काम नहीं करवाने या फिर भ्रष्टाचार में संलिप्तता के कारण खुद ही चूनाव से दूर हैं।

अखिलेश यादव ने इसी पोस्ट में सवाल उठाते हुए कहा कि जो बोरिया-बिस्तर बांध कर निकलना चाहते थे उन्हें दुबारा दबाव बनाकर लड़ने के लिए कहा जा रहा है। ये अनमने लोग क्या विपक्ष का सामना करेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच भी इस सूची के आने से गहरी हताशा आ गई है क्योंकि वो जनता के बीच अपने अधिकांश सांसदों के खिलाफ चल रही हवा से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि जो युवा भाजपाई टिकट की उम्मीद में भाजपा के हर गलत काम में साथ दे रहे थे, वो भी निराश होकर, आगे निष्क्रिय हो जाएंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की उम्मीदवारों की सूची भाजपा की नाउम्मीदगी की घोषणा भर है।

एनसीपी -शिवसेना में टूट के बाद महाराष्ट्र की तस्वीर बदली

-सीट शेयरिंग में भाजपा अपनाएगी जीत की संभावना का फार्मूला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र में भी सीट शेयरिंग में जीत की संभावना का फार्मूला अपनाएगी। फिलहाल लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट की घोषणा कर दी है, लेकिन महाराष्ट्र को लेकर तस्वीर अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। एनडीए एवं विपक्षी गठबंधन दोनों का मानना है कि लोकसभा में यूपी के बाद सर्वाधिक संख्या में सांसद भेजने वाले महाराष्ट्र में सीट आवंटन का एक मात्र फार्मूला जीत की संभावना है। महाराष्ट्र में 2019 के बाद से कई बार राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिली है। वर्ष 2019 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने भाजपा के साथ अपने पुराने गठबंधन को तोड़ दिया था फिर शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को भी दलों में विभाजन का सामना करना पड़ा। शिवसेना के अधिकतर विधायक अब सीएम एकनाथ शिंदे के साथ हैं जिन्होंने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया हैं। वहीं अजित पवार भी अपने समर्थक पार्टी विधायकों के साथ पिछले साल शरद पवार नीत एनसीपी से अलग होकर सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हो गए। सूत्रों की मानें तो दलों के विभाजन के बाद समीकरण बदलने से सीटों का बंटवारा मुश्किल हो गया है।

बता दें कि भाजपा ने तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के साथ मिलकर 2019 में 41 सीट पर जीत हासिल की थी और इस बार भाजपा ने अपने राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 45 सीट जिताने का लक्ष्य रखा है जबकि विपक्षी कांग्रेस 2019 का प्रदर्शन नहीं दोहराना चाहेगी जब उसे मात्र एक सीट पर जीत मिली थी। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीट बंटवारे के मामले पर केंद्रीय नेतृत्व के साथ चर्चा की जा रही है। विपक्षी गठबंधन 'महा विकास आघाडी' में ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी का शरद पवार नीत धड़ा और कांग्रेस शामिल हैं। विपक्षी गठबंधन प्रकाश आंबेडकर नीत वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) को लुभाने की कोशिश कर रहा है लेकिन बाबा साहेब के पौत्र ने इस बारे में अभी तक कोई घोषणा नहीं की है।

सूत्रों ने बताया कि भाजपा के 30 से अधिक सीट पर चुनाव लड़ने की संभावना है,

जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 10 सीट की मांग की हैं लेकिन उसे चार सीट मिलने की संभावना है। वहीं शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी 18 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। वर्ष 2019 के चुनावों में अविभाजित शिवसेना ने 18 सीट पर ही जीत हासिल की थी। इधर अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने कहा कि उनकी पार्टी पुणे की बारामती सहित 10 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सीटों के आवंटन पर कहा कि एमवीए ने वार्ता पूरी कर ली है और घटक दलों का शीर्ष नेतृत्व जल्द ही इस संबंध में घोषणा करेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देर रात वरघोड़ा में गाना बजाने को लेकर एक ही गुट के दो गुट भिड़े,४ लोग घायल

सूरत में दो गुटों के बीच संघर्ष

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डुम्मस गांव में कल देर रात दो गुटों के बीच जमकर बवाल हुआ. एक ही गुट के दो समुदायों के बीच जमकर पथराव हुआ. देर रात कोहरे में निकली बजड़ी में गाना बजाने को लेकर विवाद के बाद पथराव हो गया। इस घटना में कुछ महिलाएं और युवक घायल हो गये. इस घटना को लेकर स्थानीय पुलिस समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराया. पुलिस ने इस घटना में दंगा और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है और १४ लोगों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है.

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गाना बजाने को लेकर हुई झड़प के बाद

सूरत के कोहरे में बीती रात जमकर हंगामा हुआ. एक ही गांव के दो समुदायों के बीच पथराव की घटना हुई. घटना कुछ यूं थी,

डुमास में आशापुरा मंदिर के पास से एक घोड़ा गुजर रहा था. इसी बीच वरघोड़े में एक समुदाय द्वारा गाना बजाने को लेकर आपस में झड़प हो गई. इसी बीच रथ में सवार जनैयाओं में जमकर झगड़ा हो गया।

वरघोड़े में वाहनों में जमकर तोड़फोड़

मारपीट और आमने-सामने की लड़ाई हुई। एक ही गुट के दो समुदायों के बीच पथराव शुरूहो गया. मामला अधिक तनावपूर्ण होने पर पुलिस को घटना की सूचना दी गई। डुम्मस पुलिस समेत काफिला मौके पर पहुंचा, लेकिन हालात बेकाबू होने पर इचापोर, रांदेर, अडाजण समेत कई पुलिस स्टेशनों की मदद ली गई। जहां देर रात मौके पर भारी संख्या में पहुंची पुलिस ने मामले को सुलझाया. हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले दोनों अपराधियों के बीच हुई पत्थरबाजी में आसपास खड़ी गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की गयी.

पुलिस द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी

और यह भी पता चला कि दोनों समुदायों के बीच लड़ाई में आमने-सामने पथराव किया गया और कोई भी लकड़ी या सामग्री एक-दूसरे पर फेंकी गई। इस घटना में दोनों पक्षों के लोगों को सिर, पैर, हाथ में चोटें आईं, जिन्हें उपचार के लिए सिविल में ले जाया गया। इस घटना में पुरुषों समेत कई महिलाएं भी गंभीर रूप से घायल हो गईं, देर रात पुलिस २५ से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर अलग-अलग थाने ले गई. मामला दोबारा न बढ़े इसके लिए पुलिस ने पूरे इलाके में कड़ी व्यवस्था की थी और पूरे इलाके में गश्त भी तेज कर दी गई थी.

१४ लोगों को किया गिरफ्तार

इस घटना के बारे में डीसीपी राजेश परमार ने बताया कि डुमास में एक ही गुट के दो लोगों के बीच पथराव और तोड़फोड़ की घटना हुई थी. इस घटना में ४ लोग घायल हो गए हैं. सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. वरघोड़े में गाने क्यों बजाते हो? इतना कहकर दूसरे गुट के लोगों ने मारपीट कर दी। एक ही गुट के दो लोग आपस में झगड़ रहे थे. पथराव किया गया और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई, जिसमें ८ गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं. अब तक १४ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. दोनों पक्षों के १४ लोगों को २ अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में रखा गया है। आरोपियों को इच्छापुर और उमरा पुलिस में रखा गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। इस घटना में ३०७ और बलवे का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है. हालाँकि, इससे पहले एक ही समूह के ये दोनों समुदाय क्रिकेट के मुद्दे पर भिड़ गए थे, जिसे उस समय दोनों समूहों के बीच सुलझा लिया गया था।

मुंबई जीएसटी सहायक कमिश्नर की बेटी ने मुंह पर प्लास्टिक बैग बांधकर की आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक कॉलेज छात्र द्वारा परीक्षा के तनाव के कारण आत्महत्या करने की घटना सामने आई है. सूरत के अडाजण इलाके में रहने वाले और मुंबई में जीएसटी विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर कार्यरत एक अधिकारी की बेटी ने परीक्षा में असफल होने के तनाव में चेहरे पर प्लास्टिक बैग बांधकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को लड़की का लिखा सुसाइड नोट मिला है. जिसमें उसने लिखा है कि परीक्षा में फेल होने के कारण उसने आत्महत्या कर ली। लड़की सूरत के राजकीय पब्लिक कॉलेज में बीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ रही थी। अडाजण पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच की. अडाजण पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ने वाले पांडुचेरी के मूल निवासी के. वी. मनुश्री राजकीय पब्लिक कॉलेज में बी.टेक तृतीय वर्ष में पढ़ रहे थे। मुंह पर प्लास्टिक की थैली बांधकर की आत्महत्या वी. मनुश्री ने शनिवार शाम करीब ५ बजे मुंह पर प्लास्टिक की

बीटेक थर्ड ईयर में फेल होने के बाद उठाया कदम, पुलिस को मिला सुसाइड नोट

वेक्टियन नायकर वर्तमान में अपनी पत्नी और दो जुड़वां बेटियों के साथ अडाजण इलाके में सौरभ पुलिस स्टेशन के पास आम्रपाली रो हाउस गेट नंबर-२ में रहते हैं। क। अवकाश मुंबई में जीएसटी विभाग में सहायक आयुक्त के रूप में काम करते हैं। क। वेक्टेशन के बच्चों में थैली बांधकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी जब परिजनों को हुई तो वे उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गये. लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने छात्र को मृत घोषित कर दिया.

अडाजण पुलिस स्टेशन के पीआईआरबी गोजिया ने बताया कि छात्र उच्च शिक्षित था. इसलिए, जैसा कि फिल्मों में देखा जाता है, उन्होंने अपने मुंह पर प्लास्टिक लॉकिंग सिस्टम वाला एक बैग पहना और फिर अपने हाथों को लॉकिंग बार से बांध लिया। और इस तरह खुद का दम घोंटकर आत्महत्या कर ली.

पुलिस ने आगे बताया कि छात्र कॉलेज के तीसरे वर्ष में पढ़ रहा था और परीक्षा में फेल हो गया था . जिससे तनाव में आकर आत्महत्या का यह कदम उठाया है। पुलिस को घर से छात्रा द्वारा अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट मिला है। जिसमें लिखा है कि परीक्षा में असफल होने पर उसने ऐसा कदम उठाया। हालांकि, घटना के बाद पुलिस ने आकस्मिक मौत दर्ज कर आगे की जांच की।

४.२९ करोड़ रुपये के सोने की तस्करी मामले में फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

एसओजी ने २०२३ में दुबई से तस्करी कर लाए गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत एसओजी ने २०२३ में दुबई से लाए गए ४.२९ करोड़ रुपए के सोने की चोरी के मामले में फरार मुख्य आरोपी को सरथाणा सीमाड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। एसओजी ने आरोपियों को सूरत कोर्ट में पेश किया है और रिमांड लेने की कोशिश कर रही है.

सूरत सिटी एसओजी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार २९ अप्रैल २०२३ को सिटी एसओजी को मिली सूचना के आधार पर डुम्मस रोड पर एसके नगर चौक से गुजर रही एक चौपहिया कार को चार व्यक्तियों ने तस्करी कर लाए गए ४ रुपये के सोने के साथ जब्त किया था. ,२९,४८,०००. में तेजी लाई गई। एसओजी ने फेनिल मवानी, उमेश उर्फ लाख भिकरिया, नीरव रमणीक दावरिया और सावन शांतिलाल खवेलिया को गिरफ्तार कर गहन पूछताछ की.

आरोपी से पूछताछ में यह बात सामने आई कि इसे सोनू विशाल उर्फ विक्की धीरूभाई गबानी ने बुलाया था, उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि तस्करी का सोना सूरत के सरथाणा सीमाड़ा गांव स्थित कावेरी हैबिटेट निवासी बलदेव उर्फ पार्थ शर्मा ने भेजा था।

आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए सूरत एसओजी को लगाया गया था। इस आरोपी के पिछले ११ महीने से फरार होकर सूरत आने की सूचना मिलने के बाद एसओजी टीम ने निगरानी लगा दी थी. आरोपी को एसओजी ने सरथाणा स्थित सीमाड़ा गांव स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया है. खास बात यह है कि पहले गिरफ्तार आरोपियों के पास से एसओजी ने तस्करी का ७.१५८ किलोग्राम सोना जब्त किया था. दुबई से अंडरवियर और जूतों में पेस्ट के रूप में छिपाकर लाया गया सोना चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। सोने के मुख्य सप्लायर बलदेव उर्फ पार्थ शर्मा मनसुख सखारेलिया को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस ने वापी में कचीगाम चेक पोस्ट से सेना का स्टीकर लगी एक कार से ४०७ बोतल विदेशी शराब जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड एसपी करणराज वाघेला ने वलसाड जिला पुलिस टीम को केंद्र शासित प्रदेश वलसाड जिला पुलिस से सटे चेक पोस्ट पर सख्त वाहन जांच करने का निर्देश दिया. सूचना के आधार पर वापी टाउन पुलिस टीम ने वलसाड जिले से सटे दमन से वापी की ओर आने वाले वाहनों की काचीगाम चेक पोस्ट पर वाहन जांच की। वलसाड जिले वापी के काचीगाम चेक पोस्ट पर वाहन चेकिंग की गई। जिसके दौरान दमन की ओर से आ रही आर्मी स्टीकर लगी एक कार को रोका गया और कार की जांच के दौरान कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई. वापी टाउन पुलिस ने कार से ४०८ बोतल विदेशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत ५० हजार रुपये है। ७५,६०० और मोबाइल फोन रु कुल २० उपहार और कार मिलीं। ४,९५,६०० रुपये जब्त कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है आने वाले दिनों में धुलेटी, होली, शिवरात्रि और वर्तमान शादी के सीजन को ध्यान में रखते हुए वलसाड एसपी करणराज वाघेला ने वलसाड से सटे संघ प्रदेश दमन और दादरा

नगर हवेली के चेक पोस्ट पर वलसाड जिले में आने वाले सभी वाहनों की सख्त वाहन जांच की जाएगी। जिला और वलसाड जिला महाराष्ट्र सीमा पर स्थित है. नोटिस दिया गया था. सुझाव के आधार पर वापी टाउन पुलिस स्टेशन के पीआई के नेतृत्व में वापी टाउन पुलिस की एक टीम काचीगाम चेकपोस्ट पर दमन से आने वाले सभी वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान दमन की ओर से आ रही एक दूल्हे की कार क्र. जीजे-१९-बीई-६६४८ को चेक पोस्ट पर रोका गया और वापी शहर पुलिस की एक टीम ने कार की जांच करते समय कार के शीशे पर सेना का स्टीकर लगा दिया। वापी शहर पुलिस की एक टीम ने कार की बारीकी से जांच की और कार की डिक्की से ४०८ बोतल विदेशी शराब मिली। वापी टाउन पुलिस ने रुपये की ४०८ बोतलें शराब जब्त कीं। ७५,६०० और एक कार जिसकी कीमत रु कुल मिलाकर ४ लाख और एक मोबाइल फोन। ४,९५,६०० रुपये जब्त किये गये. पुलिस ने आरोपी कार चालक दर्शन उत्तमभाई पटेल को गिरफ्तार कर लिया है.

पति के साथ रहने पर प्रेमिका की हत्या के मामले में आरोपी बरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी दिलीपसिंह उर्फ दीपक उर्फ दीपू उर्फ माध्रो उदेसिंह परमार पर आपके साथ काम करने वाली मंजूबेन मधुभाई मकवाना के साथ संबंध होने का आरोप था। दिलीपसिंह और मंजूबेन ने २० नवंबर २०१३ को हाईटेक वायरनेटजी कंपनी के पीछे अपने पति मधुभाई मकवाना की हत्या कर दी। लगभग आठ तक रूके रहे दिन. मंजुबीन ने दिलीपसिंह के घर जाने की जिद की, लेकिन दिलीपसिंह के शादीशुदा होने और समाज व गांव में बदनामी होने के डर से वह मंजुबीन को रात करीब ११ बजे नवागाम के पास खटेर ले गया और उसकी जैकेट से गला घोंटकर हत्या कर दी और दफना दिया। शव खेत में. इस मामले में आरोपियों की ओर से विधायक प्रताप सिंह महिदा के साथ जयेश कपाड़िया, शैलेश मोदी और रिया मेहता पेश हुए. कानूनविद् प्रतापसिंह महिदा ने तर्क दिया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य के मामले में वैज्ञानिक साक्ष्य महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आरोपी पर आरोप लगाने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य महत्वपूर्ण हैं, अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में पूरी तरह से विफल रहा है और लिए गए साक्ष्यों को देखते हुए संभावना है कि पति ने आत्महत्या की है .नवसारी के तीसरे आदिक प्रिंसिपिया ने तर्कसंगत तर्क दिए जिन्हें नकारा नहीं जा सकता और सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया। जिला. न्यायाधीश पी. टी. राम ने आरोपी को संदेह का लाभ दिया और उसे जाने दिया।